E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-197 | जम्मू तवी, रविवार 10 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों, बड़े विमान को मार गिराया था : वायुसेना प्रमुख

बेंगलुरु, 9 अगस्त। वायुसेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाँच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया।

यह टिप्पणी यहाँ 16वें एयर चीफ मार्शल एल एम कात्रे स्मृति व्याख्यान में की गई। हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी और कुछ एफ-16 विमानों के रखरखाव के संकेत मिले हैं।

हमारे कम से कम पाँच लड़ाकू विमानों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और एक बड़ा विमान, जो या तो विमान हो सकता है या एडब्ल्यूसी, लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया।

यह वास्तव में सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है जिसके बारे में हम बात कर सकते हैं, उन्होंने कहा। इस अभियान के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ﾠइसलिए हवाई क्षेत्र पर हमला किया गया और मुख्य भवन पर भी, जहाँ योजना बनाई जाती है, जिसका उपयोग कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहाँ तक सुक्कुर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएबी हैंगर और रडार साइट पर हमला किया। उन्होंने कहा,यहाँ दृश्य उपलब्ध हैं - यह वह हैंगर है जो ध्वस्त हो गया है, यह पहले और बाद का रडार स्थल है। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला हुआ। यहाँ हमें स्पष्ट रूप से एक विमान दिखाई दे रहा है जहाँ हमला हुआ था। सरगोधा के बारे में, वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों के सपने देखते हुए बड़े हुए हैं। किसी दिन हमें मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले ही मौका मिल गया। हमने उस हवाई क्षेत्र पर हमला किया जहाँ F-16 के बारे में बहुत पुख्ता जानकारी थी।

कुलगाम आतंकी मुठभेड़ में सेना के 2 जवान बलिदान, 2 जवान घायल

श्रीनगर, 9 अगस्त । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले अखल के जंगल में आतंकवादियों के साथ रात भर चली मुठभेड़ में सेना के दो जवान बलिदान हो गए जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। यह घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद-रोधी अभियानों में से एक है जिसका शनिवार को नौवां दिन है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में मुठभेड़ में बलिदान हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए बताया गया है कि आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी है। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल के जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों द्वारा 1 अगस्त को घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू करने के बाद शुरू हुई। मुठभेड़ में अबतक दो आतंकवादी मारे गए हैं। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में चिनार कोर ने कहा कि चिनार कोर राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर लेफ्टिनेंट कमांडर प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करेगा। सेना ने कहा कि वह शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि रातभर हुई गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हो गए जिससे घायल सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या कुल 9 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात और सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा समेत वरिष्ठ पुलिस और सेना के अधिकारी चौबीसों घंटे ऑपरेशन पर कड़ी नज़र रख रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर, एलजी ने शहीद हुए सेना के जवानों को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर, 9 अगस्त। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कुलगाम में आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सेना कर्मियों एल/एनके प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को

श्रद्धांजलि अर्पित की। मैं हमारे बहादुर जवानों एल/एनके प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के अदम्य साहस को सलाम करता हूं, जिन्होंने मातृभूमि की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

खबर संक्षेप

चीनी मांझे से बाइक सवार का गला कटा

जम्मू, 9 अगस्त। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर ज़िले में चीनी मांझे, जिसे स्थानीय रूप से गट्टू कहा जाता है, से गला कटने पर मोटरसाइकिल सवार 25 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। चीनी मांझे या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर अधिकारियों ने प्रतिबंध लगा दिया है और हाल ही में जम्मू भर में कई दुकानदारों को इस सामग्री का गुप्त रूप से कारोबार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सीन ब्राह्मणा गाँव निवासी राजिंदर कुमार, उधमपुर से रहमबल की ओर जा रहे थे, तभी शाम करीब 4.30 बजे घारी गाँव के पास प्रतिबंधित मांझे से उनका गला कट गया। उन्होंने बताया कि कुछ राहगीरों ने उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल उधमपुर पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों की पहचान करने और उन्हें सजा दिलाने के लिए आगे की जाँच जारी है।

एलएमडी ने 27 क्विंटल एक्सपायरी डेट की मछली और चिकन जब्त करने का दावा किया

जम्मू तवी, 9 अगस्त। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को विधिक माप विज्ञान विभाग (एलएमडी) और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संयुक्त निरीक्षण में 2700 किलोग्राम से अधिक एक्सपायरी डेट की मछली और चिकन जब्त किए गए और बाद में नष्ट कर दिए गए। इसके बाद, दोषी दुकानदारों के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए।

27 क्विंटल एक्सपायरी डेट के फ्रोजन फूड की बरामदगी ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले ही जम्मू में सड़े हुए मांस कांड ने उपभोक्ताओं को झकझोर दिया था, जहाँ अधिकारियों ने पिछले एक हफ्ते में 3500 किलोग्राम से अधिक मिलावटी मांस नष्ट किया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ में 26 घरों की ली तलाशी

किश्तवाड़, 9 अगस्त । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को किश्तवाड़ जिले में आतंकी तंत्र पर कार्रवाई करते हुए 26 घरों की तलाशी ली जिसमें हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ जहांगीर सरूरी का घर भी शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट के अलावा छापेमारी में ज्यादातर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों और सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करने वाले आतंकवादियों के घर शामिल थे। किश्तवाड़ में छापेमारी पास के डोडा जिले में 15 स्थानों पर इसी तरह की तलाशी के एक दिन बाद हुई। अधिकारियों ने कहा कि विभिन्न पुलिस टीमों ने किश्तवाड़ जिले में 26 स्थानों पर तलाशी ली। इस छापेमारी में भट का घर भी शामिल है जो 1990 के दशक में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गया था और उसे सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाला आतंकवादी माना जाता है।

छड़ी मुबारक प्रार्थना के बाद श्रीअमरनाथ यात्रा 2025 संपन्न

इस वर्ष 4.14 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा की

श्रीनगर, 9 अगस्त। भगवान शिव की भगवा वस्त्रधारी पवित्र छड़ी मुबारक को शनिवार को पारंपरिक प्रार्थना और अनुष्ठानों के लिए

श्रीअमरनाथ पवित्र गुफा मंदिर ले जाया गया, जो वार्षिक तीर्थयात्रा के औपचारिक समापन का प्रतीक है, अधिकारियों ने कहा। उन्होंने कहा कि एक रात्रि विश्राम के बाद, छड़ी मुबारक श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर सुबह पंचतरणी शिविर से रवाना हुई। वैदिक मंत्रोचार के बीच पारंपरिक पूजा और अनुष्ठान किए गए। अधिकारियों ने कहा कि पवित्र गुफा मंदिर में पवित्र छड़ी के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। आरती संपन्न होने के बाद, पवित्र छड़ी रात्रि विश्राम के लिए पंचतरणी के लिए रवाना हुई। रविवार को, छड़ी मुबारक पहलगाम के लिए रवाना होगी, जहां सोमवार को लिद्दर नदी के तट पर पूजन और विसर्जन समारोह आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष 4.14 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा की, जो खराब मौसम और फिसलन भरे मार्ग के बावजूद 2 अगस्त को संपन्न हुई। पिछले वर्ष, 5.10 लाख यात्रियों ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में पवित्र गुफा मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन किए थे।

पहलगाम के हमलावरों के मारे जाने तक मुझे ठीक से नींद नहीं आईः एलजी सिन्हा

श्रीनगर, 9 अगस्त। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को खुलासा किया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों के सुरक्षा बलों द्वारा मारे जाने तक उन्हें ठीक से नींद नहीं आई थी। उन्होंने कहा कि बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हमला, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे, भारत की आत्मा पर हमला था। एक राष्ट्रीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में, एलजी सिन्हा ने कहा, मैं 22 अप्रैल के बाद सो नहीं सका। यह भारत की आत्मा पर हमला था। तीन हत्यारों के मारे जाने के बाद ही मुझे चैन की नींद आई। यह पूछे जाने पर कि बैसरन घाटी में, जहाँ पर्यटक पिज्जा विक्रेताओं के साथ पिकनिक का आनंद ले रहे थे, एक भी पुलिसकर्मी मौजूद क्यों नहीं था, एलजी सिन्हा ने जवाब दिया, बैसरन में पर्यटकों को ज़िपलाइनिंग और अन्य मनोरंजन की सुविधा प्रदान करने वाला व्यक्ति एक निजी संस्था थी। जम्मू-कश्मीर पर्यटन विकास निगम ने उसे कोई अनुमति नहीं दी थी। उसने प्रशासन और पुलिस को यह भी नहीं बताया कि उसने यह काम शुरू किया है। चार साल तक, कश्मीर घाटी में शांति और सुकून रहा और कई छोटे-छोटे पर्यटन स्थल विकसित हो गए।ﾠ मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की इस टिप्पणी पर कि पर्यटकों को सुरक्षा प्रदान करने में उपराज्यपाल की विफलता ने देश को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है, एलजी ने कहा, ﾠअगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो मैं इसका स्वागत करता हूँ। लेकिन उन्हें यह भी कहना चाहिए कि दशकों से पाकिस्तान घाटी के लिए हड़ताल कैलेंडर जारी करता रहा है और स्कूल, कॉलेज और बाज़ार साल में 132 दिन बंद रहते थे। पत्थरबाजी की घटनाएँ अक्सर होती थीं और सुरक्षाकर्मी मारे जाते थे।

चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, 334 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पंजीकरण सूची से हटाया

नई दिल्ली,9 अगस्त । भारतीय निर्वाचन आयोग ने शनिवार को 334 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पंजीकृत सूची से बाहर कर दिया। चुनाव आयोग के फैसले के बाद वर्तमान में सिर्फ 6 राष्ट्रीय दल और 67 क्षेत्रीय पार्टियां हैं, जबकि 2,520 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल बचे हैं। 6 राष्ट्रीय पार्टियों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी, बसपा, सीपीएमआई और एनपीपी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल जैसे 67 प्रमुख दल चुनाव आयोग की सूची में क्षेत्रीय दलों के तौर पर पंजीकृत हैं। आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सूची से बाहर किए गए राजनीतिक दल आयकर अधिनियम-1961 और चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश-1968 के प्रासंगिक प्रावधानों के साथ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम- 1951 की धारा 29बी और धारा 29सी के प्रावधानों के तहत कोई भी लाभ प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे। हालांकि, चुनाव आयोग ने सूची से बाहर किए गए राजनीतिक दलों को अपील के लिए 30 दिन का समय दिया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जून 2025 में ईसीआई ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 345 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था। इस प्रक्रिया के अंतर्गत अधिकारियों ने इन दलों की जांच की, उन्हें शोकॉज नोटिस जारी किए और व्यक्तिगत सुनवाई के माध्यम से अपनी बात रखने का अवसर दिया।

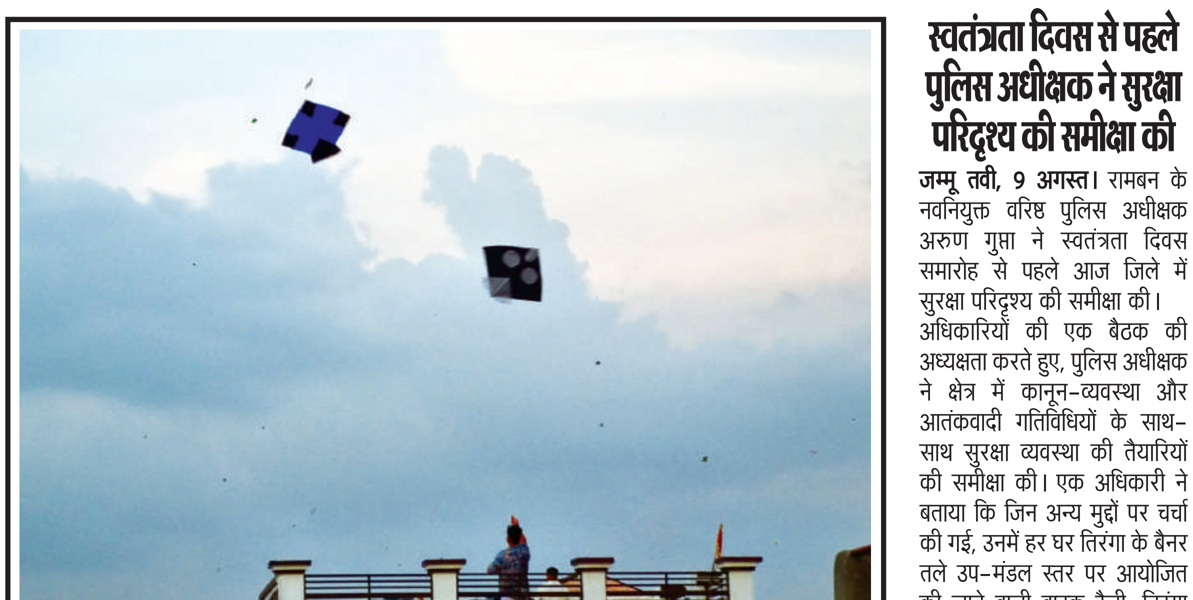

जम्मू में रक्षा बंधन के अवसर पर पतंगबाजी का आनंद उठाते युवा। छाया : सुरजीत

स्वतंत्रता दिवस से पहले पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की

जम्मू तवी, 9 अगस्त। रामबन के नवनियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले आज जिले में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की।

अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और आतंकवादी गतिविधियों के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की। एक अधिकारी ने बताया कि जिन अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई, उनमें हर घर तिरंगा के बैनर तले उप-मंडल स्तर पर आयोजित की जाने वाली बाइक रैली, तिरंगा रैली आदि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं।

ट्रंप-पुतिन बैठक पर सहमति का भारत ने किया स्वागत

नयी दिल्ली, 09 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष ब्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक के लिए बनी सहमति का स्वागत करते हुये भारत ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन में शांति स्थापना के प्रयासों में समर्थन के लिए वह तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका और रूस के बीच 15 अगस्त को अलास्का में बैठक के लिए बनी सहमति का भारत स्वागत करता है।' बयान में कहा गया है, इस बैठक में यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने और शांति की स्थापना की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है, %यह युद्ध का युग नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत इस बैठक का समर्थन करता है और इन प्रयासों में सहयोग के लिए तैयार है। इससे पहले श्री ट्रंप ने कहा था कि वह 15 अगस्त को अलास्का में श्री पुतिन के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मेरे और पुतिन के बीच बैठक अगले शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 को (अमेरिका के) अलास्का प्रांत में होगी।'

घाटी में पहली बार पहुंची मालगाड़ी, अनंतनाग गुड्स शेड तक सीमेंट से लदी रेक का सफल आगमन

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत के लॉजिस्टिक नेटवर्क के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। उत्तर रेलवे द्वारा कश्मीर घाटी में पहली बार एक मालगाड़ी का संचालन सफलतापूर्वक किया गया है, जो पंजाब के रूपनगर से सीमेंट की खेप लेकर सीधे अनंतनाग स्थित नवनिर्मित गुड्स शेड पहुंची।

यह कदम न केवल एक इंजीनियरिंग उपलब्धि है, बल्कि कश्मीर घाटी को देश के आर्थिक और लॉजिस्टिक तंत्र से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

इस पहली मालगाड़ी में 21 बीसीएन वैगनों में सीमेंट लदा हुआ था, जिसे गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की रूपनगर स्थित इकाई से लोड किया गया। लगभग 600 किलोमीटर की दूरी को इस मालगाड़ी ने 18 घंटे से भी कम समय में तय किया, जो भारतीय रेलवे की समयबद्धता और संचालन क्षमता का प्रमाण है।

यह सीमेंट घाटी में चल रही प्रमुख सड़कों, पुलों, सार्वजनिक निर्माण कार्यों और आवासीय परियोजनाओं में इस्तेमाल किया जाएगा। इससे क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों को बल मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उत्तर रेलवे के मुताबिक, इस मालगाड़ी संचालन की योजना अत्यंत सूक्ष्मता से बनाई गई थी। सात अगस्त को रात 11ः14 बजे इंडेंट प्राप्त हुआ, और 8 अगस्त को सुबह 9ः40 बजे रेक की व्यवस्था कर दी गई। उसी दिन शाम 6ः10 बजे लदान पूरा हुआ और मालगाड़ी शाम 6ः55 बजे रूपनगर से रवाना हुई।

इसे इलेक्ट्रिक इंजन डब्ल्यूएजी-9 (लोको नं. 32177, ट्रिप नंबर 08/09) द्वारा खींचा गया, जो भारतीय रेलवे की आधुनिक तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने इसे 'प्रगति और एकीकरण का सशक्त प्रतीक' बताते हुए कहा कि यह मालगाड़ी सिर्फ एक रेक नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी के लिए नए युग की शुरुआत है। इससे क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स, व्यापार और रोज़गार के नए द्वार खुलेंगे।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

सेना और छात्राओं ने मनाया रक्षा बंधन

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। मनावर योद्धा ब्रिगेड के तत्वावधान में भारतीय सेना ने अखनूर सेक्टर के सरकारी उच्च विद्यालय, बुधवाल में रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने सैनिकों की कलाई पर राखियां बांधकर उनके प्रति आभार और स्नेह व्यक्त किया। यह भावनात्मक और प्रतीकात्मक समारोह न केवल पर्व की सांस्कृतिक एवं पारंपरिक भावना को संजोए रहा, बल्कि सेना और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास के गहरे बंधन को भी उजागर करता है। राखी के धागों ने नागरिकों के विश्वास को दर्शाया कि सेना उनके सच्चे रक्षक हैं, वहीं क्रॉस स्वॉर्ड डिवीजन ने अखनूर सेक्टर के लोगों की सुरक्षा के प्रति अपने अटूट संकल्प को दोहराया। इस संवाद ने युवाओं और सेना के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत किया और आपसी सम्मान व एकता की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन मिठाइयों के वितरण और राष्ट्रीय सुरक्षा व सौहार्द्र बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ जिससे उपस्थित सभी के मन में गर्व और आत्मीयता की भावना और प्रगाढ़ हो गई

कठुआ में कई थानेदारों और प्रभारियों के हुए तबादले

कठुआ, 09 अगस्त (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सैना ने जिला कठुआ के कई पुलिस थाना/चैकियों के थानेदारों एवं प्रभारियों के फेरबदल किया है। जिसमें डीएसपी परिवीक्षाधीन यावर निसार खान को पुलिस स्टेशन मल्हार से ईएसयू कठुआ इंचार्ज, डीएसपी परिवीक्षाधीन नीतिश शर्मा को पुलिस थाना बनी से एसओजी लच्छीपुर, डीएसपी परिवीक्षाधीन गीतांजलि को पुलिस स्टेशन बसोहली से एसओजी हीरानगर, डीएसपी परिवीक्षाधीन तरनजीत सिंह को पुलिस स्टेशन राजबाग से एसओजी मछेडी में तबादला किया गया। इसी प्रकार इंस्पेक्टर त्रिभवन खजुरिया को पुलिस स्टेशन लखनपुर से एसएचओ बसोहली लगाया गया है और इंस्पेक्टर तारिक अहमद को डीपीओ कठुआ से एसएचओ लखनपुर लगाया गया। इंस्पेक्टर राकेश सिंह को डीपीएल कठुआ से डीपीओ कठुआ इंचार्ज क्राइम क्षेत्र, इंस्पेक्टर सुरेंद्र रैना को डीपीएल कठुआ से एसएचओ बनी, इंस्पेक्टर विशाल डोगरा को पुलिस स्टेशन एएचटीयू इंचार्ज एडीयू से डीपीएल कठुआ स्थानांतरित किया गया। इंस्पेक्टर सज्जाद मुगल को डीपीएल कठुआ से एसएचओ एएचटीयू/इंचार्ज स्पेशल एंटी ड्रग यूनिट में तबादला किया गया। इसी प्रकार पीएसआई अरुण कुमार शान को एसएचओ पुलिस स्टेशन मल्हार लगाया गया, पीएसआई इरफान चंदेल को पुलिस पोस्ट चढ़वाल से एसओजी डुग्गयानी, पीएसआई राहुल पराशर पीपी जखोल से लोआंग, पीएसआई अरविंदर कुमार सिंह को एसओजी डुग्गयानी से प्रभारी पीपी जखोल, और पीएसआई मुर्तजा रहमान को डीपीएल कठुआ से आईओ पुलिस थाना कठुआ में तबादला किया गया।

कोटरंका के जवाहर नवोदय विद्यालय में जागरूकता व्याख्यान, छात्रों व शिक्षकों की रही भागीदारी

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। भारतीय सेना ने कोटरंका स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में युवाओं की सुरक्षा और मानवता के कल्याण विषय पर नशा मुक्ति जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज में नशामुक्त वातावरण का निर्माण करना था।

व्याख्यान में बताया गया कि नशीले पदार्थों का गैर-चिकित्सीय और अत्यधिक सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर गंभीर

प्रभाव डालता है। वहीं अवैध नशीली दवाओं का उत्पादन, वितरण और बिक्री समाज के लिए दीर्घकालिक हानिकारक परिणाम लाती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार, समुदाय, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून प्रवर्तन एजेंसियां और व्यक्ति, सभी की सामूहिक भूमिका जरूरी है।

कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें 12 छात्र, 15 छात्राएं और 3 शिक्षक शामिल थे। विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय ने इस तरह के सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया जिससे दूरदराज के राजौरी जिले के युवाओं और नागरिकों को महत्वपूर्ण जानकारी मिल रही है।

पेंशनरों के चिकित्सा भत्ते में बढ़ोतरी की मांग

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। नेशनल मज़दूर कॉन्फ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने शनिवार को उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से पेंशनरों का मासिक चिकित्सा भत्ता मौजूदा 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के अनुरूप होनी चाहिए जैसे कि लद्दाख में 1 अप्रैल 2020 से यह भत्ता 1000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। शास्त्री ने कहा कि मौजूदा 300 रुपये का चिकित्सा भत्ता पिछले दो दशकों से नहीं बढ़ा है, जबकि दवाओं और अन्य चिकित्सीय खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी पेंशनरों को बढ़ते स्वास्थ्य व्यय के बीच राहत प्रदान करेगी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के कर्मचारियों के लिए 2 प्रतिशत एचआरए बढ़ाने की भी मांग की यह बताते हुए कि डीए पहले ही 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर चुका है जो संशोधन का आधार है। साथ ही, उन्होंने जनवरी से जून 2021 की 18 महीने की लंबित डीए किस्तों को तुरंत जारी करने की अपील की, जो तीन साल से अटकी हुई हैं। शास्त्री ने एसआरओ-64 के तहत सभी दैनिक वेतनभोगियों की सेवाओं का नियमितीकरण, जुलाई 1 से देय 4 प्रतिशत डीए की शीघ्र देने, 8वें वेतन आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति, राष्ट्रीय वेतन आयोग का गठन और पूरे देश के लिए एक समान वेतन नीति लागू करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जम्मू और श्रीनगर को बी-1 श्रेणी के शहर घोषित करने की अपील की।

रक्षा बंधन पर पुरानी मंडी में पतंगबाजी, युवाओं से परंपराओं से जुड़ने का आह्वान

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता यूधवीर सेठी ने पुरानी मंडी क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पतंगबाजी कर त्योहार की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम में रंग-बिरंगी पतंगों और उत्साहपूर्ण माहौल ने पारंपरिक उल्लास को जीवंत कर दिया। सभा को संबोधित करते हुए यूधवीर सेठी ने युवाओं से पतंगबाजी जैसी पारंपरिक गतिविधियों के जरिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी मोबाइल और डिजिटल माध्यमों में अधिक व्यस्त रहती है जिससे पुराने रीति-रिवाजों और त्योहारों से दूरी बढ़ रही है। उन्होंने युवाओं से तकनीक और परंपरा के बीच संतुलन बनाने की अपील की।सेठी ने कहा, पतंगबाजी केवल खेल नहीं बल्कि स्वतंत्रता और उत्सव का प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। युवाओं को ऐसे पारंपरिक आयोजनों को पुनर्जीवित करना चाहिए ताकि हमारी सांस्कृतिक आत्मा जीवित रहे।

लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार के लिए तीन दिवसीय भूख हड़ताल शुरू

कारगिल, 9 अगस्त (हि.स.)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार सहित चार मांगों के समर्थन में शनिवार सुबह यहाँ तीन दिवसीय भूख हड़ताल शुरू हुई। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेक्स एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा शहर के हुसैनी पार्क में आयोजित यह भूख हड़ताल ऐसे समय में हो रही है जब केंद्र सरकार द्वारा अगले दौर की वार्ता में देरी को लेकर दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों में नाराजगी है।

केडीए और एलएबी पिछले पाँच वर्षों से संयुक्त रूप से इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं और गृह मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के साथ कई दौर की वार्ता कर चुके हैं।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने, लेह और कारगिल क्षेत्रों के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटों और एक लोक सेवा आयोग (पीएससी) की स्थापना के समर्थन में तीन दिवसीय भूख हड़ताल केडीए और एलएबी द्वारा नारों के साथ भूख हड़ताल जारी है। केडीए के प्रमुख सदस्य तख्तियाँ लिए हुए थे जिनमें से कुछ पर लिखा था औपनिवेशिक व्यवहार का अंत करो, लोकतंत्र बहाल करो, राज्य का दर्जा - छठी अनुसूची और मजबूत लद्दाख।

पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 87 के तहत उद्घोषणा की कार्यवाही की

कठुआ 09 अगस्त (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने बिलावर पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 43/2010, जो आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 और आरपीसी की धारा 120 के तहत दर्ज है, के एक फरार आरोपी के खिलाफ जम्मू कश्मीर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 87 के तहत उद्घोषणा की कार्यवाही शुरू की है।

बार-बार प्रयास करने के बावजूद गिरफ्तारी से बच रहे आरोपी की पहचान विशाल कुमार उर्फ विशु पुत्र दीना नाथ निवासी पंजतीर्थी पुरानी कचहरी जिला जम्मू के रूप में हुई है। कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपी के अंतिम ज्ञात निवास पर जम्मू-कश्मीर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 87 के तहत उद्घोषणा नोटिस चिपका दिए गए। इसके अतिरिक्त उसके पैतृक इलाके में ढोल-नगाड़ों और लाउडस्पीकर से सार्वजनिक उद्घोषणा की गई, जिसमें आरोपी को निर्धारित समयावधि के भीतर माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

कांग्रेस ने श्रीनगर में भारत छोड़ो दिवस मनाया, राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेपीसीसी) ने शनिवार को श्रीनगर स्थित पार्टी कार्यालय में भारत छोड़ो दिवस मनाया और बापू के नेतृत्व में हुए भारत छोड़ो आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदानों को याद किया। इस मौके पर जेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा, एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया और स्वतंत्रता संग्राम के महत्व पर प्रकाश डाला। कर्रा ने महात्मा गांधी के करो या मरो के आह्वान को याद करते हुए कहा कि आज हमें भी लोकतंत्र बचाने के लिए ऐसे ही मिशन की जरूरत है जिसे भाजपा सरकार हर दिन कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस, भाजपा, वीएचपी और बजरंग दल की जड़ें हिंदू महासभा में हैं जिसने ब्रिटिश हुकूमत का साथ दिया था। इस अवसर पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का प्रसारण भी किया गया जिसमें भाजपा-ईसीआई गठजोड़ और चुनावी धांधली के मुद्दे को उजागर किया गया। कर्रा ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इसे जम्मू-कश्मीर के हर कोने में पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान हमारी रियासत हमारा हक अभियान के तहत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल भी शुरू की गई। कर्रा ने कहा कि 2019 में राज्य के विभाजन के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोग अभूतपूर्व परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं और केंद्र सरकार बहाली के वादे के बावजूद जानबूझकर देरी कर रही है।

एसएमवीडीयू में नव-नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में नव-नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए नियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय के नियमों एवं विनियमों से अवगत कराना था। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने अपने चार दशक से अधिक के शैक्षणिक व प्रशासनिक अनुभवों से प्रेरणादायक विचार साझा किए। नवीन संकाय सदस्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला में अकादमिक प्रथाएं, नियम व विनियम, प्रशासनिक प्रक्रियाएं, भंडार एवं क्रय प्रक्रियाएं, शोध एवं विकास पद्धतियां, परीक्षा प्रणाली, वित्तीय नियम एवं प्रक्रियाएं, मान्यता, डाटा प्रबंधन एवं कार्यक्रम संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का समन्वय प्रो. सुप्राण के. शर्मा, निदेशक ने किया जबकि सहायक निदेशक आर्किटेक्ट अनूप कुमार शर्मा आयोजन सचिव रहे। इसमें 27 नए संकाय सदस्य शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए अचूक सुरक्षा व्यवस्था : एसएसपी सोपोर

सोपोर, 9 अगस्त (हि.स.)। सोपोर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) इफ्तखार तालिब ने शनिवार को कहा कि शहर में शांतिपूर्ण स्वतंत्रता दिवस समारोह सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सूत्रों के अनुसार एक बाइक रैली के मौके पर एसएसपी तालिब ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं।

पुलिस ने गोवंश तस्करी के दो प्रयासों को विफल कर गोवंश तस्कर को गिरफ्तार किया, 37 गोवंश मुक्त कराए

सांबा, 9 अगस्त (हि.स.) सांबा, 9 अगस्त, 2025ー गोवंश तस्करों और उनके समर्थकों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए, सांबा पुलिस ने सांबा थाना क्षेत्र में गोवंश तस्करी के दो प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया, एक गोवंश तस्कर को गिरफ्तार किया और गोवंश तस्करों के चंगुल से सैंतीस (37) गोवंश को मुक्त कराया। गोवंश के अवैध परिवहन में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिए गए।

विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सांबा थाना की एक पुलिस टीम ने महेश्वर, सांबा में पंजीकरण संख्या PB0xBE-4932 वाले एक ट्रक को जाँच के लिए रोका। जाँच के दौरान, वाहन के अंदर बीस गोवंश पाए गए, जिन्हें क्रूरतापूर्वक बाँधा गया था और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

गोवंश तस्कर की पहचान काला पुत्र फैजल दीन निवासी सुजानपुर (पठानकोट) के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वाहन भी जब्त कर लिया गया है।

सांबा पुलिस स्टेशन में धारा 223 बीएनएस, 11 पीसीए अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 211/2025 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गोवंश तस्करी की एक अन्य घटना में, सांबा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने सांबा के दियानी में पंजीकरण संख्या PBxzZ-1286 वाले एक ट्रक को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान, वाहन के अंदर सत्रह गोवंश पाए गए, जिन्हें क्रूरतापूर्वक बांधा गया था और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। सभी गोवंश को बचा लिया गया है और वाहन को भी जब्त कर लिया गया है।

जम्मू में सड़ा-गला मांस का बड़ा जखीरा जब्त, किया नष्ट

आमिर इक़बाल खान

जम्मू, 09 अगस्त। जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक बड़े प्रवर्तन अभियान के तहत ड्रग्स एंड फूड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन जम्मू ने शुक्रवार को 2,700 किलोग्राम सड़ा हुआ चिकन और 1,000 किलोग्राम सड़ी-गली मछली सहित बड़ी मात्रा में खराब हो चुके मांस उत्पादों को जब्त कर नष्ट कर दिया।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत की गई, जिसका नेतृत्व फूड सेफ्टी डिवीजन जम्मू के डिप्टी कमिश्नर श्री मदन मगोतरा और फूड ICIL जम्मू के डिप्टी कमिश्नर श्री पंकज सोनी ने किया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों, विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारियों और जम्मू नगर निगम की टीम ने सहयोग किया।

सूचना के आधार पर टीम ने जम्मू के कांजी हाउस स्थित एक कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा, जहां मांस पूरी तरह सड़ चुका था और उसमें से तीव्र दुर्गंध आ रही थी। अधिकारियों ने बताया कि यह उत्पाद उपभोग के लिए बिल्कुल असुरक्षित थे और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा पैदा कर सकते थे। बरामद माल को तुरंत जब्त कर लिया गया और बाद में मानक संचालन प्रक्रिया के तहत कोट भलवाल डंपिंग यार्ड में नष्ट कर दिया गया।

संस्थान के मालिक के खिलाफ अस्वच्छ परिस्थितियों में मांस रखने और तापमान नियंत्रण बनाए रखने में विफल रहने के आरोप में स्र्स्स्र की धारा 56 और 58 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने

चेतावनी दी कि इस तरह के उल्लंघन से फूड पॉइजनिंग, हेपेटाइटिस और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की कमिश्नर सुश्री स्मिता सेठी ने कहा कि विभाग जम्मू-कश्मीर में मिलावट, अस्वच्छता और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि जमे हुए मांस या गैर-शाकाहारी उत्पादों से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना विभाग के टोल-फ्री नंबर 104 पर दें। DFCO ने बताया कि गर्मियों के दौरान जमे हुए मांस में अवैध रूप से रंग मिलाने जैसी खतरनाक प्रथाएं बढ़ जाती हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं। इस पर रोक लगाने के लिए प्रवर्तन टीमों को ब्लॉक स्तर से लेकर संभाग स्तर तक निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि असुरक्षित खाद्य उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

जिलेभर में हर्षोउल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

कठुआ, 09 अगस्त (हि.स.)। कठुआ जिले में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोउल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। कठुआ जिले की तहसील बसोहली, बनी, हीरानगर, बिलावर सहित अन्य क्षेत्र में भी रक्षाबंधन का पर्व हर्षोउल्लास और धूमधाम से मनाया गया। बजारों में भी दिभर चहलपहल रही। बहनों ने भाइयों के लिए रंग बिरंगी राखियां और मिठाइयां खरीदीं और उनकी कलाइयों पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। हालांकि इस वर्ष राखी बांधने का शुभ समय दोपहर एक बजे तक था, जिसके चलते बहनों ने भाइयों को एक बजे से पहले-पहले राखी बांधी। पंडित अशोक शर्मा ने बताया कि रक्षाबंधन भारतवर्ष की चिर परिचित सनातन संस्कृति का प्रतीक है। इसका पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व है। रक्षाबंधन दो शब्द रक्षा और बन्धन से मिलकर बना है अर्थात एक ऐसा बन्धन जो रक्षा के लिए वचन लें, यह श्रद्धा और विश्वास

का पर्व है। इस अवसर पर गुरु शिष्य को, भाई बहन को, पत्नी पति को रक्षा सूत्र बाधती है, पुराणों में उल्लेख है कि द्रोपदी ने कृष्ण को, लक्ष्मीजी ने विष्णु को संकट के समय या युद्ध के समय रक्षा के लिए मौली या कलावा बाधा था तभी से यह परम्परा चली आ रही है, यह पर्व अधिक से अधिक लोगों ने तब से मनाना शुरू किया जब से रानी कर्णावती ने अपने राज्य की एवं स्वयं की रक्षा के लिए मुस्लिम शासक हिमायु को रक्षासूत्र बाधकर अपनी रक्षा के लिए वचन करवाया।

जाविद डार ने रफियाबाद निर्वाचन क्षेत्र में समतलीकरण परियोजनाओं का उद्घाटन किया

बारामूला 09 अगस्त। कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार ने रफ़ियाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सड़कों के समतलीकरण कार्य का उद्घाटन किया, जिनमें अलसफ़ा कॉलोनी बी एंड सी, रोहामा सेरीपोरा, ब्रांडुब कम्मर और खानमोह तथा तुज्जर शरीफ़-ज़ानीपोरा रोड, बारामूला शामिल हैं।

जाविद डार ने कहा कि सड़क अवसंरचना विकास का उद्देश्य निवासियों के लिए संपर्क और पहुँच में सुधार करना है।

उन्होंने आगे कहा कि सुगम परिवहन की सुविधा और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सड़कों की स्थिति में सुधार और

निवासियों को लाभ पहुँचाने और स्थानीय विकास को बढ़ावा देने के लिए सड़क अवसंरचना में सुधार किया जा रहा है।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि इन इलाकों में सड़कों के मैकडैमीकरण से स्थानीय समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे संपर्क, पहुँच और आर्थिक गतिविधियों में सुधार होगा। ये परियोजनाएँ निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को दर्शाती हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारी सरकार उनकी भलाई के लिए समर्पित है और उनकी आवश्यकताओं और चिंताओं को दूर करने के लिए अथक प्रयास करती रहेगी।

सकीना इत्तू ने जीएचएसएस, डी.के. मार्ग, कुलगाम में विज्ञान ब्लॉक का उद्घाटन किया

कुलगाम 09 अगस्त। शिक्षा मंत्री सकीना इतू ने सरकारी हायर सकैंडरी स्कूल डी.के. मार्ग में नवनिर्मित विज्ञान ब्लॉक का उद्घाटन किया और संस्थान में आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में भी भाग लिया।

इस अवसर पर निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर, सीईओ कुलगाम, प्रधानाचार्य जीएचएसएस, डी.के. मार्ग, एसडीएम डीएच पोरा, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र भी उपस्थित थे।

क्लस्टर पीटीएम के अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है और पूरे क्षेत्र में शैक्षिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार जम्मू-कश्मीर में छात्रों को आधुनिक और सुसज्जित शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए स्कूलों के बुनियादी ढाँचे का सक्रिय रूप से निर्माण और उन्नयन कर रही है। छात्रों में अपार प्रतिभा है और सरकार समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है। छात्रों में प्रचुर प्रतिभा है, जिसका सकारात्मक उपयोग किया जाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किए जाने चाहिए, जिसमें दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्र भी शामिल हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को शिक्षित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए उनके बीच आपसी सम्मान पर आधारित बंधन मज़बूत होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि बेहतर शिक्षण वातावरण बनाने के लिए स्कूलों में शौचालय, बाड़ और अन्य आवश्यक सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

संपादकीय

हिमाचल से सीख लें

जहाँ तक प्राकृतिक आपदाओं का सवाल है, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश एक ही पायदान पर हैं और इसलिए इन राज्यों की सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि हाल के दिनों में आम हो चुकी प्राकृतिक आपदाओं जैसे अचानक बाढ़, भूस्खलन आदि की बढ़ती संख्या से उत्पन्न समस्याओं को कम किया जा सके। हालाँकि, हर मानसून के मौसम में हिमालयी क्षेत्र में अचानक बाढ़ और भूस्खलन के मामले बड़ी संख्या में सामने आते हैं और कई कीमती जानें जाती हैं, लेकिन पिछले एक दशक से भी ज़्यादा समय में इन घटनाओं में तेज़ी से वृद्धि हुई है। हिमाचल प्रदेश में प्रकृति के प्रचंड प्रकोप के चलते अचानक बाढ़ और भूस्खलन से इस मानसून में अब तक 108 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 36 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हाल ही में आई अचानक बाढ़ ने भी कई लोगों की जान ले ली है, जबकि कई लोग अभी भी लापता हैं। जम्मू-कश्मीर में भी स्थिति बेहद खराब है, जहाँ भूस्खलन और पत्थर गिरने से कई लोगों की जान चली गई है, जिनमें माता वैष्णो देवी के एक भक्त, रामनगर के एसडीएम और उनके बेटे के अलावा दो अन्य 20 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनका तंबू रियासी जिले में शिव मंदिर के पास भूस्खलन की चपेट में आ गया। इन घटनाओं में गौर करने वाली बात यह है कि जब इन आपदाओं को लापरवाही से देखा जाता है, तो ये प्राकृतिक लगती हैं, लेकिन जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो ये सभी घटनाएँ मानवीय हस्तक्षेप के कारण घटित हुई हैं, इसलिए इन्हें ईश्वरीय कृत्य के बजाय मानव निर्मित कहा जा सकता है। यह अच्छी बात है कि हिमाचल प्रदेश सरकार नदियों और नालों के किनारे, साथ ही अचानक आने वाली बाढ़ और भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में बेतरतीब निर्माण कार्यों को रोकने के लिए एक त्रि-स्तरीय नीति पर काम कर रही है, ताकि ऐसी आपदाओं को रोका जा सके। यह भी बताया गया है कि उक्त सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के निर्माण को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा मानदंडों और सख्त नियमों को भी सुनिश्चित कर रही है। चूँकि जम्मू-कश्मीर में भी हालात ऐसे ही हैं, इसलिए यह सही समय है कि सरकार हिमाचल प्रदेश से सीख लेकर हालात बेकाबू होने से पहले ही ऐसी ही पहल शुरू कर दे। निर्माण को यथासंभव सीमित रखना ज़रूरी है और यदि आवश्यक हो, तो संबंधित अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से प्रमाणित करने के बाद ही निर्माण की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि सरकारें इस गंभीर मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकतीं। हिमालय क्षेत्र के सभी राज्यों की सरकारें एकजुट होकर सुरक्षा सुनिश्चित करने और अचानक बाढ़ व भूस्खलन जैसी आपदाओं को रोकने के लिए मिलकर काम करें।

विश्व शेर दिवस -'जंगल के राजा' का भविष्य और हमारा कर्तव्य

फिर भी, शेर संरक्षण की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती है मानव-वन्यजीव संघर्ष। जैसे-जैसे शेरों का विस्तार कृषि क्षेत्रों और मानव बस्तियों के निकट हो रहा है, वैसे-वैसे मवेशियों के शिकार, लोगों की सुरक्षा और फसल क्षति जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं। इसका समाधान केवल क्षतिपूर्ति योजनाओं या वन विभाग के त्वरित हस्तक्षेप से संभव नहीं है; इसके लिए दीर्घकालिक सामुदायिक सहभागिता और सह-अस्तित्व की रणनीतियां जरूरी हैं। ग्रामीण समुदायों को यह महसूस कराना कि शेर केवल खतरा नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान का हिस्सा हैं, एक कठिन लेकिन आवश्यक कार्य है।

-डॉ. निव?दिता शर्मा

विश्व शेर दिवस, जो प्रतिवर्ष 10 अगस्त को मनाया जाता है, केवल वन्यजीव प्रेमियों का एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्मरण है कि धरती पर जीवन की विविधता को बनाए रखने में प्रत्येक प्रजाति की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। जब हम शेर की बात करते हैं, तो हमारे मानसपटल पर सबसे पहले उभरती है उसकी शान, उसका गौरव और उसकी अदम्य शक्ति, जिसे सदियों से 'जंगल का राजा' कहा जाता रहा है। किंतु इस उपाधि के पीछे का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक हो सकता है, जब हम यह सुनिश्चित करें कि यह राजा अपने प्राकृतिक क्षेत्र में सुरक्षित और समृद्ध बना रहे। भारत के संदर्भ में यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि यहां एशियाई शेर की एकमात्र आबादी गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में पाई जाती है, जो पूरी दुनिया में अद्वितीय है।

एशियाई शेर एक समय पूरे एशिया, मध्य-पूर्व और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में फैले हुए थे। किंतु मानव विस्तार, शिकार और आवासीय क्षरण ने इनके विस्तार को लगातार सीमित किया, और 20वीं सदी की शुरुआत तक यह प्रजाति केवल काठियावाड़ के गिर जंगलों तक सिमट गई। किंतु आज उनकी संख्या बढ़ने के समाचार उत्साहवर्धक कहे जा सकते हैं, वर्ष 2020 में 674 की तुलना में मई 2025 में इनकी अनुमानित संख्या 891 तक पहुंच गई है, जो लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि है। यह उपलब्धि निस्संदेह गुजरात सरकार, वन विभाग, 'प्रोजेक्ट लायन' और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी प्रजाति के संरक्षण की यात्रा में केवल संख्या वृद्धि ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता, उनके लिए स्थायी और सुरक्षित आवास, मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान और जीन-पूल की विविधता का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

गुजरात में शेर केवल गिर राष्ट्रीय उद्यान तक सीमित नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनका प्राकृतिक विस्तार बढ़कर सौराष्ट्र के 11 जिलों में लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर में फैल चुका है। यह क्षेत्रीय प्रसार दोहरा संदेश देता है कि गिर का पारंपरिक आवास अब शेरों की बढ़ती संख्या को समेटने में सक्षम नहीं रहा। वहीं, आज यह भी बता रहा है कि शेर प्राकृतिक रूप से नए इलाकों को अपनाने में सक्षम है, बशर्ते वहां पर्याप्त शिकार और पानी की उपलब्धता हो। इसी संदर्भ में बरदा वन्यजीव अभयारण्य का महत्व बढ़ जाता है, जो पोरबंदर और देवभूमि द्वारका जिलों में 192.31 वर्ग किलोमीटर में फैला है और अब एशियाई शेरों का दूसरा घर बनकर उभर रहा है। 2023 में शेरों के प्राकृतिक प्रवास के बाद यहां की संख्या 17 तक पहुंच गई, जिनमें 6 वयस्क और 11 शावक शामिल हैं। यह विकास केवल एक पारिस्थितिक घटना नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि यदि हम उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराएं, तो शेर स्वयं अपने अस्तित्व के लिए नए रास्ते तलाश सकते हैं।

वास्तव में बरदा का महत्व केवल शेर संरक्षण तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र एक समृद्ध जैव-विविधता हॉटस्पॉट है, जहां विभिन्न वनस्पतियां, पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका द्वारका-पोरबंदर-सोमनाथ पर्यटन सर्किट के निकट होना, इसे न केवल संरक्षण के दृष्टिकोण से बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी एक अवसर बनाता है। लगभग 248 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित सफारी पार्क इसी दिशा में एक कदम है, जिससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नियंत्रित और जिम्मेदार पर्यटन से स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक लाभ होगा। राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन और लगभग 180 करोड़ रुपये के संरक्षण कार्यों की शुरुआत इस बात का संकेत है कि नीति-निर्माण अब संरक्षण को विकास के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

फिर भी, शेर संरक्षण की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती है मानव-वन्यजीव संघर्ष। जैसे-जैसे शेरों का विस्तार कृषि क्षेत्रों और मानव बस्तियों के निकट हो रहा है, वैसे-वैसे मवेशियों के शिकार, लोगों की सुरक्षा और फसल क्षति जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं। इसका समाधान केवल क्षतिपूर्ति योजनाओं या वन विभाग के त्वरित हस्तक्षेप से संभव नहीं है; इसके लिए दीर्घकालिक सामुदायिक सहभागिता और सह-अस्तित्व की रणनीतियां जरूरी हैं। ग्रामीण समुदायों को यह महसूस कराना कि शेर केवल खतरा नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान का हिस्सा हैं, एक कठिन लेकिन आवश्यक कार्य है। गुजरात में कई गांवों ने इसे अपनी परंपरा और गर्व के रूप में अपनाया है, लेकिन यह भावनात्मक जुड़ाव सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकसित करना होगा।

एक और गंभीर मुद्दा है जीन-पूल की सीमित विविधता। चूंकि पूरी एशियाई शेर आबादी एक ही भौगोलिक क्षेत्र में केंद्रित है, इसलिए किसी भी महामारी, प्राकृतिक आपदा या बड़े पैमाने पर आवासीय क्षति से पूरी प्रजाति को खतरा हो सकता है। विशेषज्ञ लंबे समय से सुझाव दे रहे हैं कि शेरों की एक दूसरी स्थायी आबादी किसी अन्य राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में बसाई जाए, ताकि जोखिम का बंटवारा हो सके। इस दिशा में कई योजनाएं बनीं, लेकिन राजनीतिक, प्रशासनिक और स्थानीय प्रतिरोध के कारण वे अब तक मूर्त रूप नहीं ले पाईं। बरदा का विकास इस समस्या का आंशिक समाधान हो सकता है, लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से हमें राज्य की सीमाओं से बाहर भी सोचने की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन भी शेर संरक्षण के भविष्य में एक अनदेखा लेकिन बड़ा कारक है। बदलते मौसम पैटर्न, पानी के स्रोतों पर दबाव और चरागाहों की गुणवत्ता में गिरावट दीर्घकाल में शेरों के शिकार आधार को प्रभावित कर सकती है।

यदि हिरण, नीलगाय और अन्य शिकार प्रजातियों की संख्या घटेगी, तो शेरों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल 'शेर बचाओ' कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय, इसे एक समग्र पारिस्थितिक प्रबंधन के रूप में देखना होगा, जिसमें शिकार प्रजातियों का संरक्षण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और घासभूमियों का पुनर्निर्माण शामिल हो।

यहां यह उल्लेखित है कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशियाई शेर भारत के वन्यजीव कूटनीति का भी प्रतीक हैं। जैसे अफ्रीकी हाथी या पांडा चीन के वन्यजीव विरासत के प्रतीक हैं, वैसे ही एशियाई शेर भारत की वैश्विक छवि में गर्व का स्थान रखते हैं। भारत का यह दायित्व है कि वह इस प्रजाति के संरक्षण में न केवल घरेलू स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से भी योगदान दे। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीस) में भूमि पर जीवन और जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य स्पष्ट हैं, और शेर संरक्षण उनमें सीधा योगदान देता है। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भी शेर पर्यटन गुजरात के लिए एक स्थायी आय स्रोत है।

गिर राष्ट्रीय उद्यान हर वर्ष लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है, और इसके साथ जुड़े होटल, गाइड, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग हजारों लोगों को रोजगार देते हैं। यदि बरदा और अन्य क्षेत्रों का संरक्षण-आधारित विकास किया जाए, तो यह मॉडल पूरे देश में अपनाया जा सकता है।

कहना होगा कि आज जब हम विश्व शेर दिवस मना रहे हैं, तो यह अवसर है प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य का जीवंत प्रतीक के लिए। शेर की दहाड़ में केवल शक्ति का स्वर नहीं, बल्कि प्रकृति की उस जटिल श्रृंखला की प्रतिध्वनि है, जिसका हिस्सा हम भी हैं। यदि यह दहाड़ कभी थम गई, तो इसका अर्थ होगा कि हमने अपने पारिस्थितिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ खो दिया है। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल वन विभाग या सरकारी योजनाओं की जिम्मेदारी न मानकर, इसे लोक के स्वभाव का अंग बनाना बनाना होगा। विद्यालयों में बच्चों को शेर और उनके आवास के बारे में शिक्षित करना, स्थानीय समुदायों को संरक्षण के लाभ समझाना, और शहरी समाज को भी वन्यजीव-हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना उतना ही जरूरी है जितना कि वैज्ञानिक शोध या वित्तीय निवेश।

अंततः यही कहा जाए तो उचित होगा कि एशियाई शेर का भविष्य हमारे सामूहिक निर्णयों पर निर्भर करेगा।

रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता का नया अध्याय शुरू

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस वर्ष भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया है। इस तरह भारत के रक्षा औद्योगिक इतिहास में नया अध्याय लिख गया है। यह केवल एक रिकॉर्ड तोड़ संख्या नहीं, बल्कि उस परिवर्तन का प्रतीक है जिसकी नींव पिछले एक दशक में रखी गई और जिसे अब ठोस परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सामर्थ्य के क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक प्रयासों की परिणति है। पिछले वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में यह 18 प्रतिशत की सशक्त वृद्धि है, जबकि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत की छलांग है, जो यह दर्शाती है कि भारत ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में कितनी तेज़ी से प्रगति की। यह तथ?य है कि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90 प्रतिशत की विस्मयकारी छलांग है। इन आँकड़ों के पीछे पिछले दशक में अपनाई गई नीतियों, सुधारों और निवेशों की पूरी श्रृंखला है, जिसने भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डिफेन्?स पब?लिक सेक?टर अंडरटेकिंग्स), अन्य सार्वजनिक निर्माताओं और निजी उद्योग के सभी हितधारकों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया है। वस?तुतः यह कथन केवल औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि एक नीतिगत घोषणा भी है कि भारत का रक्षा उद्योग अब एक ऐसे स्तर पर पहुँच चुका है जहाँ वह न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि निर्यात में भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

अब जरा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भूमिकाओं पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। डिफेन्?स पब?लिक सेक?टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रम कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। यह आँकड़ा एफवाई 2023-24 में 21 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि निजी उद्योग की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह वृद्धि केवल प्रतिशत में नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन में भी दिखती है; एफवाई 2024-25 में निजी क्षेत्र के उत्पादन में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही। इसका अर्थ है कि निजी उद्योग न केवल रक्षा विनिर्माण में अधिक निवेश कर रहा है, बल्कि उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में भी तेजी से प्रगति कर रहा है।

यदि हम थोड़ा पीछे जाएँ तो स्थिति इतनी आशाजनक नहीं थी। 2014-15 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन लगभग 77,000 करोड़ रुपये के आसपास था। उस समय देश की रक्षा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता था। रूस, फ्रांस, अमेरिका, और इज़राइल जैसे देशों से हथियार, मिसाइल, विमान और नौसैनिक उपकरण बड़ी मात्रा में खरीदे जाते थे। घरेलू निर्माण मुख्यतः कुछ सीमित हथियार प्रणालियों और उपकरणों तक ही सीमित था और उनमें भी उच्च तकनीकी घटक विदेशों से आयात किए जाते थे। किंतु हम देखते हैं कि वर्ष 2016 के बाद से इस क्षेत्र में परिदृश्य बदलना शुरू हुआ। 'मेक इंन इण?डिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई और निजी उद्योग को इसमें प्रवेश देने के लिए नीतिगत दरवाज़े खोले गए। 2017-18 में कुल उत्पादन 84,000 करोड़ रुपये के आसपास पहुँच गया, लेकिन सबसे बड़ा मोड़ 2020 में आया, जब 'आत?मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र को आयात प्रतिस्थापन के स्पष्ट लक्ष्य दिए गए। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी-2020) और रक्षा उत्पादन एवं निर्यात संवर्धन नीति (डीपीईपीपी-2020) ने उद्योग को दिशा और स्थिरता दी।

इन नीतियों के तहत 'नकारात्मक आयात सूची' जारी की गई, जिसमें दर्ज सैकड़ों उपकरणों और हथियारों को भविष्य में केवल भारत में ही निर्मित करने का प्रावधान किया गया। यह कदम न केवल विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में था, बल्कि घरेलू उद्योग को स्थायी बाज़ार सुनिश्चित करने वाला भी साबित हुआ। साथ ही, श्रजन पोर्टल के माध्यम से विदेशी उपकरणों के स्वदेशी विकल्प विकसित करने के प्रयास तेज़ हुए।

आज जब हम 2024-25 के आँकड़ों को देखते हैं तो स्पष्ट होता है कि ये नीतिगत कदम परिणाम दे रहे हैं। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और अन्य सार्वजनिक निर्माता कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो 2023-24 में 21 प्रतिशत थी। यह परिवर्तन मामूली नहीं है, क्योंकि निजी क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि 28 प्रतिशत रही है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही।

आज देखने में आ रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में एचएएल, बीईएल, बीडीएल, एमडीएल, जीआरएसई जैसी कंपनियाँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने तो बहुत कम समय में बड़ा काम करके दिखा दिया है, उसने तेजस हल्के लड़ाकू विमान, ध्रुव हेलिकॉप्टर और रुद्र अटैक हेलिकॉप्टर का निर्माण किया है। इसी तरह से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने राडार, संचार उपकरण और आकाश वायु रक्षा प्रणाली में अपनी क्षमता साबित की है। निजी क्षेत्र में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा डिफेंस और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियाँ अब मिसाइल लांचर, आर्मर्ड व्हीकल, नौसैनिक जहाज़ और एयरोस्पेस कंपोनेंट्स का निर्माण कर रही हैं।

यही कारण है कि आज रक्षा निर्यात के मोर्चे पर भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-15 में यह आँकड़ा मुश्किल से 1,500 करोड़ रुपये के आसपास था। 2016-17 में यह 1,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,682 करोड़ रुपये हुआ। 2018-19 में यह 10,745 करोड़ रुपये और 2022-23 में 15,920 करोड़ रुपये तक पहुँचा। 2023-24 में यह 21,083 करोड़ रुपये और अब 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर है। यह वृद्धि न केवल आयात पर निर्भरता घटाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

एक एक उत?साह से भर देनेवाला आंकड़ा है; भारत अब 90 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। इनमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई देश शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल का फिलीपींस को निर्यात, रक्षा कूटनीति का एक सफल उदाहरण है। आने वाले वर्षों में सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँचाना है। इसके लिए हथियार प्रदर्शनियों, द्विपक्षीय रक्षा समझौतों, सस्ते वित्तपोषण और रक्षा अटैशे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। हालाँकि, इन सफलताओं के बावजूद चुनौतियाँ कम नहीं हैं। उन्नत इंजन तकनीक, जेट इंजन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और कुछ विशेष सामग्री के लिए अभी भी विदेशी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बनी हुई है। अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र का योगदान अपेक्षाकृत कम है, जबकि दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए यही वह क्षेत्र है जो निर्णायक साबित होता है।

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू

हृदयनारायण दीक्षित

भारत उत्सवधर्मा राष्ट्र है। यहां प्रतिदिन उत्सव है। प्रतिदिन उल्लास और हर समय आनंद की वर्षा। अभी बहुत समय नहीं हुआ, नाग पूजा का पर्व नागपंचमी बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धालु हिंदू घर से निकल पड़ते हैं। सामाजिक आयोजन में हिस्सा लेते हैं। सावन में शिवार्चन और रुद्राभिषेक चलते हैं। इसके पहले रामनवमी के उत्सवों की श्रृंखला लंबे समय तक चली है।

भारत के सभी उत्सवों में कोई न कोई संदेश अवश्य रहता है। पूर्वजों ने पर्व और उत्सवों की रचना पूरे मनोयोग से की है। लोकमंगल को पर्व का ध्येय बनाना था। पिछले महीने वायुमंडल तप रहा था। अब रिमझिम वर्षा हो रही है। घर से निकले वर्षा होने लगी। सब कुछ भीग गया। तन भीगा, मन भीगा। वन उपवन भी वर्षा के साथ झूम रहे हैं। भारत प्राचीन देश है। विशाल भूखण्ड है। क्षेत्रीय विविधताएं हैं। अनेक बोलियां हैं। अनेक भाषाएं हैं। इसलिए उत्सव और पर्व मनाने का ध्येय एक होने के बावजूद आयोजनों में विविधता है। आनंद के इस अतिरेक को लगातार बांटने और राष्ट्रजीवन की पंक्ति में गरीब वर्ग को भी सामूहिकता के रस रंग में झूमते हुए नृत्य करने का अवसर मिलना चाहिए।

हमारा प्राचीन साहित्य वर्षा, सावन और उत्सवों के उल्लेख से भरा पूरा है। सिनेमा में भी सावन और वर्षा के गीतों की बहार है। वर्षा में आनंद मगन होने के लिए किसी खास तैयारी की आवश्यकता नहीं होती। यहां कोई आरक्षण नहीं है। वर्षा गरीब अमीर में भेद नहीं करती है। सावन किसान के लिए भी नृत्य मगन होने का अवसर है। शहर से दूर ग्रामीण अंचल में भी सावन आता है और पूर्वजों द्वारा गढ़े गए उत्सवों के बीच हम सबको पुलकित करता है। ऐसे ही तमाम उत्सवों में से एक उत्सव है रक्षाबंधन।

भारत रत्न पी. वी. काणे ने 'धर्मशास्त्र का इतिहास' खंड चार (पृष्ठ 53) में लिखा है, श्रावण की पूर्णिमा को अपराह्न में एक कृत्य होता है, जिसे रक्षाबंधन कहते हैं। श्रावण की पूर्णिमा को सूर्योदय के पूर्व उठकर देवों, ऋषियों और पितरों का तर्पण करने के उपरांत अक्षत, तिल, धागों से युक्त रक्षा बनाकर धारण करना चाहिए।

रक्षाबंधन प्राचीन पर्व है। क्षेत्रीयता के प्रभाव में पर्व के मनाए जाने का तरीके अलग-अलग हैं। उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में बहनें अपने भाइयों को रक्षासूत्र बांधती हैं। मिठाई खिलाती हैं। भाई-बहन के मध्य प्राकृतिक आत्मीयता होती है। भाई इस अवसर पर बहन को हमेशा रक्षक बने रहने का आश्वासन देता है। पश्चिमी भारत विशेषतया कोंकण और मालाबार में सभी वर्गों के लोग समुद्र तट पर जाते हैं। समुद्र को पुष्प और नारियल अर्पित करते हैं। पी. वी. काणे ने बताया है कि, सावन की पूर्णिमा को समुद्र में तूफान कम आते हैं, इसीलिए समुद्र देवता को नारियल चढ़ाया जाता है, कि वे व्यापारी जहाज को सुविधा दे सकें।

साधारणतया उत्सवों में राजा नहीं जाते थे, लेकिन रक्षाबंधन के दिन राजा एक भवन में बैठता था और पुरोहित मंत्र पढ़ते थे। पी. वी. काणे ने बताया है, राजा के लिए महल में एक वर्गाकार भूमि स्थल पर जल पात्र रखा जाना चाहिए। उसे मंत्रियों के साथ आसन ग्रहण करना चाहिए। लगातार गीतों और आशीर्वचनों का तांता लगा रहना चाहिए। विद्वानों और ज्ञानियों को सम्मान देने के बाद राजपुरोहित को बुलाना चाहिए और यह मंत्र पढ़ते हुए राजा के हाथों में रक्षा सूत्र बांधना चाहिए-येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू। तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल-अर्थात मैं आपको यह रक्षा सूत्र बांधता हूं, जिसमें दानवों के राजा बलि बांधे गए थे। हे रक्षासूत्र हमारी रक्षा के लिए यहां से न हटो। रक्षासूत्र के लिए यह मंत्र सर्वत्र पढ़ा जाता है।

पूर्वजों ने समाज के चिंतन में उत्सवों का रस घोल दिया है। रक्षासूत्र केवल राजा के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं था। साधारण जन भी अपने किसी परिजन से या गांव के किसी वरिष्ठ जन से रक्षासूत्र बंधवाते थे। भविष्योत्तर पुराण में लिखा है कि, इंद्राणी ने इंद्र के दाहिने हाथ में रक्षासूत्र बांधा था। इससे इंद्र की शक्ति बढ़ गई और उन्होंने असुरों को पराजित कर दिया। रक्षासूत्र आदर्श परंपरा है। रक्षा प्रत्येक जीव की आकांक्षा है। कुछ जीवधारी रक्षा के लिए ही समूह बनाकर चलते हैं। कुछ जीवधारी अपने ऊपर हमला करने वाले से अकेले ही लड़ते हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध और नियम मानने की पक्षधरता वाले समाज प्रगतिशील होते हैं। आत्मरक्षा मनुष्य सहित सभी प्राणियों की जिजीविषा है। राष्ट्र रक्षा के लिए अर्पित रहना उत्कृष्ट जीवन मूल्य है। भारत में यह परंपरा और राष्ट्र रक्षा का विचार ऋग्वेद के रचनाकाल के समय ही प्रकट हो गया था। इसी विचार परंपरा में रक्षासूत्र की बात चली होगी। रक्षासूत्र कोई कवच नहीं है। यह साधारण धागा नहीं है। हमारे देश में सभी मांगलिक अवसरों पर रक्षासूत्र की परंपरा है। मंदिरों में पुरोहित रक्षासूत्र बांधते हैं। विवाह आदि अवसरों पर भी रक्षासूत्र का चलन है। प्रगाढ़ भावना से बांधे गए रक्षासूत्र हमारे अंतःकरण में सकारात्मक रासायनिक परिवर्तन लाते हैं।

राष्ट्र की रक्षा राजा का प्रथम कर्तव्य है। पुरोहित रक्षासूत्र बांधकर उसे प्राथमिक कर्तव्य का स्मरण कराता था। यहां पुरोहित का अर्थ सामान्य प्रवचनकर्ता या कथावाचक नहीं है। पुरोहित का अर्थ है 'पुर का हितैषी'। पुरोहितों की परंपरा के विस्तार से राष्ट्रजीवन को लाभ हुआ। फिर यही परंपरा बहनों द्वारा भाई को रक्षासूत्र बांधने के रूप में भी व्यापक हो गई। रक्षा सूत्र का मूल आधार प्रेम और कर्तव्य है। बहनों द्वारा भाइयों को रक्षासूत्र बांधना ठीक है। शिष्य द्वारा आचार्य को और छात्र द्वारा अध्यापक को रक्षासूत्र बांधने का क्रम चलना चाहिए। कितना सुंदर हो कि शिष्य रक्षासूत्र लेकर आगे बढ़े, आचार्य के श्रीचरणों में निवेदन करे, मैं आपको यह रक्षासूत्र समर्पित करता हूं। आपके हाथों को सुसज्जित करता हूं। यह रक्षासूत्र मेरी भी रक्षा करे और आपकी अभिरक्षा में हम ज्ञान प्राप्त करें।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने डीपीएल में रचा इतिहास, पांच विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अरुण जेटली स्टेडियम रन वर्षा का गवाह बना, जहां ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स के खिलाफ रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए 5 विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 232 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने महज चार गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। यह डीपीएल के इतिहास में सबसे बड़ा सफल रन चेस रहा। इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी आउटर दिल्ली वॉरियर्स की टीम ने दमदार शुरुआत की। ओपनर प्रियांश आर्य ने सिर्फ 56 गेंदों में 111 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनके साथ करन गर्ग ने भी 24 गेंदों पर 43 रन की तेज़तर्रार पारी खेली। दोनों की पारियों की बदौलत वॉरियर्स ने 20 ओवर में 231/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया।जवाब में ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत लड़खड़ाती हुई रही और टीम ने शुरुआती 51 रनों पर तीन विकेट गंवा दिए, लेकिन इसके बाद अर्पित राणा और कप्तान अनुज रावत ने मोर्चा संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 130 रनों की शानदार साझेदारी की और टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। अर्पित राणा ने 45 गेंदों पर 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 79 रनों की अहम पारी खेली, वहीं कप्तान अनुज रावत ने महज़ 35 गेंदों पर 84 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 2 चौके और 9 छक्के शामिल थे।इस जीत के साथ ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने डीपीएल के इतिहास में सबसे बड़े लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

हॉकी पंजाब ने जीता सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब

चेन्नई,। हॉकी पंजाब ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 (डिवीजन-ए) का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में हॉकी पंजाब ने हॉकी झारखंड को 4-3 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। फाइनल दिन का पहला मुकाबला कांस्य पदक के लिए उत्तर प्रदेश हॉकी और हॉकी मध्य प्रदेश के बीच खेला गया। पहले दो क्वार्टर में मध्य प्रदेश ने शानदार शुरुआत करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, अंतिम दो क्वार्टर में उत्तर प्रदेश ने जोरदार वापसी की। अली शाहरुख ने 42वें, 47वें और 51वें मिनट में लगातार तीन गोल दागते हुए हैट्रिक पूरी की। उनके अलावा मोहम्मद आतिफ रेनी (40फीसदी) और प्रह्लाद राजभर (55फीसदी) ने एक-एक गोल किया। वहीं, मध्य प्रदेश की ओर से आशिर आदिल खान (13फीसदी), करण गौतम (20फीसदी) और मीज़ान उर रहमान (58फीसदी) ने गोल किए। उत्तर प्रदेश ने मुकाबला 5-3 से जीतकर कांस्य पदक हासिल किया। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला फाइनल रहा, जिसमें हॉकी पंजाब और हॉकी झारखंड आमने-सामने थे। झारखंड ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत की और आशीष टानी पूर्ति (21फीसदी) व अनीश डुंगडुंग (24फीसदी) ने लगातार दो गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। पंजाब ने तुरंत पलटवार किया और अक्षित सलारिया (29फीसदी) तथा वरिंदर सिंह (30फीसदी) ने बराबरी के गोल दाग दिए।

सनबीम सनसिटी को दोहरा खिताब, शकुन विद्या निकेतन उपविजेता

प्रयागराज। सीबीएसई क्लस्टर-5 बास्केटबाल प्रतियोगिता में सनबीम सनसिटी वाराणसी ने अंडर-14 बालक वर्ग एवं अंडर-19 बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले जीतकर दोहरा खिताब पर कब्जा जमा लिया। शकुन विद्या निकेतन की टीम अंडर-19 बालक वर्ग में उपविजेता एवं अंडर-19 बालिका वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। शुरू हुई भारी बारिश के कारण सभी फाइनल मुकाबले फ्री शॉट के तहत खेले गए। इसमें सभी खिलाड़ियों को एक-एक बार गेंद बास्केट में डालने का मौका दिया गया। फाइनल न हो पाने से खिलाड़ियों में निराशा साफ दिखी। शकुन विद्या निकेतन नैनी में हुई प्रतियोगिता के बालक वर्ग में अंडर-14 में सनबीम सनसिटी ने गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल प्रयागराज को 21-19 से, अंडर-17 में सेमस्टार ग्लोबल प्रयागराज ने सनबीम इंग्लिश स्कूल भगवानपुर वाराणसी को 25-20 से और अंडर-19 में संत अतुलानंद कोहिराजपुर वाराणसी ने शकुन विद्या निकेतन नैनी प्रयागराज को 18-17 से हराया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई। टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज़ खेलेगी। यह दौरा इस महीने के अंत में राजगीर, बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप 2025 की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ खेलना भारतीय खिलाड़ियों को बहुमूल्य अनुभव देगा, जिससे कोचिंग स्टाफ को संयोजन परखने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करने का अवसर मिलेगा। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रवाना होने से पहले कहा,ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है और यही हमें इस समय चाहिए। यह सीरीज़ हमारे एशिया कप की तैयारी का अहम चरण है।

एशियन सर्फिंग चैम्पियनशिप में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे भारत के रमेश बुढ़िहाल और किशोर कुमार

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय सर्फरों ने एशियन सर्फिंग चैम्पियनशिप में इतिहास रच दिया है। शनिवार को रमेश बुढ़िहाल और किशोर कुमार ओपन मेन्स कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए। दिन के पहले हीट में उतरे बुढ़िहाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.84 अंक हासिल किए और फिलीपींस के नील सांचेज़ (12.80) को पीछे छोड़ दिया। अपनी जीत के बाद बुढ़िहाल ने कहा, ÷यही वह पल है जिसका हम इंतजार कर रहे थे। सुबह मैंने कुछ लहरों पर अभ्यास किया था और सोचा था कि हीट में भी यही करना है। यह हमारे लिए गर्व का पल है। पिछले साल मालदीव में हुई चैम्पियनशिप में हिस्सा न ले पाने का अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा, अगर मुझे पिछले साल मौका मिलता तो शायद मैं और अच्छा कर पाता।

लेकिन इस बार मैं पूरी तरह से इसका फायदा उठा रहा हूं। वहीं, दिन के आखिरी हीट में किशोर कुमार ने संतुलित खेल दिखाते हुए 10.50 अंक लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। वह फिलीपींस के एडुआर्डो अल्सिसो (12.03) से पीछे रहे। पिछले साल किशोर ने अंडर-18 कैटेगरी में देश का प्रतिनिधित्व किया था और उस उम्र वर्ग में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। टॉप-2 खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में जगह बना पाए, जिसमें भारत के दो खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, हीट-3 में श्रीकांत डी 10.90 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और मामूली अंतर से सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। ओपन मेन्स सेमीफाइनलिस्ट में बुढ़िहाल, सांचेज़, मेगा आर्ताना (इंडोनेशिया), शिडोंग वू (चीन), पजार अरियाना (इंडोनेशिया), कानोआ हीजाए (दक्षिण कोरिया), अल्सिसो और किशोर शामिल हैं। इससे पहले, अंडर-18 गर्ल्स वर्ग में आद्या सिंह और धामयंती श्रीराम ने रिपेचेज सेकंड राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे राउंड में जगह बनाई, जबकि सान्वी हेगड़े इसी दौर में बाहर हो गई।

केरल और बंगाल ने जीता 51वीं जूनियर वॉटर पोलो चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी
बेंगलुरु। बासवंगुड़ी एक्वाटिक सेंटर में सम्पन्न हुई 51वीं जूनियर वॉटर पोलो चैंपियनशिप 2025 में बंगाल और केरल ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लड़कों के फाइनल में बंगाल ने महाराष्ट्र को रोमांचक मुकाबले में 16-15 से मात दी। बंगाल के लिए जॉय मंडल ने सबसे ज्यादा 5 गोल दागे, जबकि राजेश नस्कर ने 4, अर्नब शॉ ने 3, संजीब सरदार ने 2 और सौरसिश कर्माकर व तुषार हल्दार ने एक-एक गोल जोड़े। महाराष्ट्र की ओर से मंथन लोम्हर्ष शिवनिकर ने 7, सम्राट रविंद्र बोडके ने 5, स्वयम परदेशी ने 2 और स्वरनिम मिलिंद चेपे ने 1 गोल किया। लड़कियों के खिताबी मुकाबले में केरल ने मेजबान कर्नाटक को 14-8 से हराया। कर्नाटक के लिए रोशिनी एस ने 5 और निथ्या सी ने 3 गोल दागे। वहीं, केरल की ओर से निव्या एम ने 4, अद्री एस ने 3, सफ़वा सकीर और कार्तिका सतीश ने 2-2, जबकि अंजलि एस सत्य और अभिनंदा वी ने एक-एक गोल दागा।

कांस्य पदक मुकाबलों में लड़कों के वर्ग में कर्नाटक ने केरल को 15-10 से हराकर तीसरा स्थान पाया, जबकि लड़कियों में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 13-8 से मात देकर ब्रॉन्ज़ अपने नाम किया। इसी दौरान, उल्सूर स्थित केंसिंग्टन स्विमिंग पूल में 41वीं सब-जूनियर व 51वीं जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक (डाइविंग) चैंपियनशिप भी समाप्त हुई, जिसमें कर्नाटक के स्कंदन प्रसाद टी ने लड़कों के जूनियर 3 मीटर स्प्रिंगबोर्ड वर्ग में 264.45 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और मेजबान राज्य के लिए एकमात्र पदक जीता।

नवाज की धमाकेदार पारी से पाकिस्तान ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

एजेंसी
तरौबा। पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज हसन नवाज ने अपने वनडे इंटरनेशनल डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 63 रन बनाए और टीम भारतीय समयानुसार शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच विकेट से जीत दिलाई। तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान ने 281 रनों के लक्ष्य को 49वें ओवर में हासिल किया। नवाज और हुसैन तलत ने छठे विकेट के लिए 104 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से निकालकर जीत की ओर ले गए। नवाज ने 54 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए, जबकि तलत ने 37 गेंदों पर 41 रन (1 छक्का, 4 चौके) का योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 280 रन पर ऑलआउट हो गई। इविन लुईस ने 62 गेंदों पर 60 रन (3 छक्के, 5 चौके) बनाए, जबकि कप्तान शाई होप ने 55 और रोस्टन चेज़ ने 53

रन जोड़े। पाकिस्तान के लिए शाहीन शाह अफरीदी ने 4 विकेट चटकाए, जबकि नसीम शाह ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिज़वान ने 53 रन बनाए, लेकिन 38वें ओवर में शमार जोसेफ की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। उस समय टीम को जीत के लिए 101 रन चाहिए थे, जहां से नवाज और तलत ने मोर्चा संभालते हुए आखिरी ओवर में चौका लगाकर जीत दिलाई। सीरीज का दूसरा मैच रविवार, 10 अगस्त को और तीसरा व अंतिम मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा।

डीपीएल 2025: पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 10 रन से हराया

एजेंसी
नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 ने शानदार हरफनमौला खेल दिखाते हुए न्यू दिल्ली टाइगर्स को 10 रन से मात दी। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाए। टीम के लिए समर्थ सेठ ने 46 गेंदों में 80 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिसमें बेहतरीन टाइमिंग और तेज़ रनगति देखने को मिली।

उन्हें प्रणव पंत (46 रन, 36 गेंद) का अहम साथ मिला, जबकि वंश बेदी ने महज़ 9 गेंदों में 31 रन की तूफ़ानी पारी खेलकर स्कोर को 200 तक पहुँचाया। गेंदबाज़ी में टाइगर्स के पंकज जसवाल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट झटके। जवाब में न्यू दिल्ली टाइगर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए। इसके बाद शिवम गुप्ता (39 रन, 24 गेंद) और वैभव रावल (62 रन,

35 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को मैच में बनाए रखा। लेकिन अंतिम ओवरों में पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाज़ों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ वापसी की। टीम के स्टार गेंदबाज़ और पर्पल कैप धारक उदव मोहन ने एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन किया और 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जिसकी बदौलत टीम ने 10 रन से जीत दर्ज की।

संक्षिप्त स्कोर –
पुरानी दिल्ली 6: 200/6 (समर्थ सेठ 80, प्रणव पंत 46, पंकज जसवाल 3/28)
न्यू दिल्ली टाइगर्स : 190/7 (वैभव रावल 62, शिवम गुप्ता 39, उदव मोहन 2/29)

पुरानी दिल्ली-6 ने रोके वेस्ट दिल्ली लॉयन्स के तेवर, डीपीएल मुकाबले में 15 रन से दर्ज की रोमांचक जीत

एजेंसी
नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन का एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिला, जहां पुरानी दिल्ली 6 ने वेस्ट दिल्ली लॉयन्स को 15 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। दर्शकों को पूरे मैच के दौरान रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत संतुलित रही। समर्थ सेठ ने 36 गेंदों में 52 रन की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जिसमें उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करते हुए स्कोरबोर्ड को निरंतर आगे बढ़ाया। देव लकड़ा ने भी उनका बखूबी साथ निभाया और 31 गेंदों में 47 रन ठोके। इन दोनों के बीच अहम साझेदारी ने टीम को मज़बूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में एकांश डोबाल ने ताबड़तोड़ 11 गेंदों में नाबाद 20 रन

बनाकर पारी को तेज़ गति दी और टीम का स्कोर 20 ओवरों में 186/6 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लॉयन्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टॉप ऑर्डर जल्दी पवेलियन लौट गया, जिससे टीम दबाव में आ गई। लेकिन आयुष डोसाजा ने अकेले मोर्चा संभाला और शानदार शतक लगाया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में जुझारू बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिल पाने के कारण लॉयन्स 20 ओवर में 171/8 तक ही पहुंच पाए और 18 रन से मुकाबला हार गए।

पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाजों ने दबाव में शानदार खेल दिखाया। रजनीश डाडर ने अपनी लाइन और लेंथ पर पूरा नियंत्रण रखते हुए 4 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए। उनकी गेंदबाजी ने मिडल ओवर्स में रनगति को बांधा और लॉयन्स की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

अतुलानंद, न्याय नगर और सनबीम सनसिटी विजेता

एजेंसी
प्रयागराज। इलाहाबाद पब्लिक स्कूल चौफटका सूबेदारगंज में सीबीएसई क्लस्टर-5 बैडमिंटन प्रतियोगिता में संत अतुलानंद वाराणसी, न्याय नगर पब्लिक स्कूल प्रयागराज और सनबीम सनसिटी वाराणसी की टीम ने क्रमशः बालक अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

इलाहाबाद पब्लिक स्कूल चौफटका में सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में अंडर-14 बालक वर्ग में संत अतुलानंद कान्वेंट वाराणसी विजेता, सनबीम सनसिटी वाराणसी, उपविजेता, अंडर-17 बालक वर्ग में न्यायनगर पब्लिक स्कूल प्रयागराज विजेता, सनबीम सनसिटी वाराणसी उपविजेता, अंडर-19 बालक वर्ग में सनबीम सनसिटी वाराणसी विजेता, संत अतुलानंद कान्वेंट वाराणसी उपविजेता रही। मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन विजय नारायण पाण्डेय ने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किये। विद्यालय की प्रबन्धक श्रीमती मधु पाण्डेय, प्रधानाचार्या प्रतिमा पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के खेल शिक्षक वी सतीश द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित और अमित मिश्र ने संचालन किया। चीफ रेफरी राजेश जायसवाल, पंकज कुमार, अनुराग सिंह, विशाल रेफरी रहे।

डबल पैरालंपिक पदक विजेता प्रीति पाल का लक्ष्य - विश्व पैरा एथलेटिक्स में हासिल करना पर्सनल बेस्ट

एजेंसी
बेंगलुरु। डबल पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता प्रीति पाल आगामी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने पर्सनल बेस्ट टाइमिंग को हासिल करने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन के हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में उन्होंने अपनी तैयारी और उम्मीदों को साझा किया।प्रीति ने कहा, दिल्ली में होने जा रही पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रही हूं। इस बार मेरा लक्ष्य अपने पदक का रंग बदलना है, लेकिन मैं जानती हूं कि मेरी मौजूदा फॉर्म पेरिस पैरालंपिक जैसी नहीं है। इसलिए मेरा मुख्य फोकस पर्सनल बेस्ट टाइमिंग पर है, पदक का रंग बाद में तय होगा।

पिछले साल मई 2024 में प्रीति ने विश्व पैरा एथलेटिक्स

चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीते थे, और उसी साल पेरिस पैरालंपिक में भी 100 मीटर और 200 मीटर ञ्ञ35 स्पर्धाओं में कांस्य पदक अपने नाम किया। पेरिस से लौटने पर अपने गांव मुजफ्फरनगर में हुए भव्य स्वागत को याद करते हुए उन्होंने कहा, ÷एयरपोर्ट से गांव तक रैली निकाली गई थी। रात थी, बारिश हो रही थी, फिर भी करीब 1750 कारें मेरे पीछे थीं। लोग मुझे भगवान की तरह सम्मान दे रहे थे, बच्चों को आशीर्वाद देने के लिए कह रहे थे - वो लम्हा मैं कभी नहीं भूल सकती।÷ उन्होंने अपनी प्रगति का श्रेय अपनी आदर्श खिलाड़ी सिमरन शर्मा और कोच गजेन्द्र सिंह (गज्जू भैया) को दिया। प्रीति के अनुसार, ÷सिमरन दीदी ने ही मुझे गज्जू भैया से मिलवाया और ट्रेनिंग के लिए तैयार किया। उनके कोचिंग में मैंने 100 मीटर दौड़ में एक से डेढ़ सेकंड का सुधार किया, जो इस इवेंट में बहुत बड़ी उपलब्धि है। यही वजह है कि मुझे विश्व चैंपियनशिप और पैरालंपिक में पदक मिले। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर 2025 से नई दिल्ली में शुरू होगी, जहां प्रीति अपने अगले बड़े अभियान में नजर आएंगी।

डुरंड कपः मोहन बगान की भिड़ंत डायमंड हार्बर से, पंजाब-बोडोलैंड में करो या मरो की टक्कर

एजेंसी
कोलकाता/कोकराझार। 134वें इंडियनऑयल डुरंड कप के 17वें दिन डबल हेडर नॉकआउट मुकाबला देखने को मिलेगा। एक ओर ग्रुप बी में मौजूदा लीडर डायमंड हार्बर एफसी का सामना आईएसएल चैंपियन मोहन बगान सुपर जायंट से होगा, वहीं दिन के पहले मैच में कोकराझार में ग्रुप डी की 'करो या मरो' भिड़ंत में पंजाब एफसी और बोडोलैंड एफसी आमने-सामने होंगे।

डायमंड हार्बर एफसी, गोल अंतर से शीर्ष पर रहते हुए, अपने पहले डुरंड कप सीज़न में शानदार प्रदर्शन कर रही है। ब्राजीलियाई फॉरवर्ड क्लेटन और स्लोवेनियाई स्ट्राइकर लुका माजसेन टीम की आक्रामक ताकत रहे हैं। उन्हें क्वार्टरफाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए सिर्फ ड्रॉ चाहिए, जबकि दो

जीत से लय में लौटे मोहन बगान के पास जीत के साथ शीर्ष स्थान हथियाने का मौका होगा।

ग्रुप डी का निर्णायक टकराव

पंजाब एफसी और बोडोलैंड एफसी दोनों के लिए यह मैच 'जीत या बाहर' जैसी स्थिति है। पंजाब ने अब तक एक जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया है, लेकिन गोल करने में अस्थिरता रही है। वहीं, घरेलू समर्थन से उत्साहित बोडोलैंड एफसी पहले ही एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर चुकी है। जीतने वाली टीम की क्वालिफिकेशन संभावना मजबूत होगी, जबकि हार या ड्रॉ से सफर कठिन हो सकता है।

धीमी ओवर गति पर आउटर दिल्ली के कप्तान सिद्धांत शर्मा पर जुर्माना

एजेंसी
नई दिल्ली। अडाणी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 (डीपीएल टी20) 2025 में खेल की गति को लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स के कप्तान सिद्धांत शर्मा पर जुर्माना लगाया गया

है। यह कार्रवाई अरुण जेटली स्टेडियम में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ खेले गए डीपीएल के 12वें मुकाबले के बाद हुई। डीपीएल की आचार संहिता के अनुसार टीमों के लिए न्यूनतम ओवर गति बनाए रखना अनिवार्य है। निर्धारित समय में ओवर पूरे न कर पाने के कारण टीम के कप्तान को मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना भुगतना पड़ा। यह इस सीजन में आउटर दिल्ली टीम का पहला ऐसा मामला है। टूर्नामेंट अधिकारियों ने कहा कि समयबद्धता का पालन न करने पर भविष्य में और कड़ी सजा दी जा सकती है, जिसमें कप्तान पर मैच प्रतिबंध भी शामिल है। यह कदम टूर्नामेंट में अनुशासन और खेल भावना बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

'वापसी का बेसब्री से इंतजार', सूर्यकुमार यादव एशिया कप की तैयारी में लगे

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले रिकवरी के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। जून में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में अपनी सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बारे में इंस्टाग्राम पर एक अपडेट साझा किया था। सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे थे और अपनी फिटनेस वापस पाने के लिए अलग-अलग एक्सरसाइज कर रहे थे। उन्होंने अपने पोस्ट का कैप्शन दिया, 'जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया गया था कि यह तेजतर्रार बल्लेबाज सर्जरी से उबरने के दौरान बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में है। अगले कुछ हफ्तों में सूर्यकुमार का कार्यभार काफी बढ़ने की उम्मीद है और माना जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं जिसकी शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के सितंबर के पहले हफ्ते में यूएई जाने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट

अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के लिए भारत की तैयारियों की शुरुआत का प्रतीक होगा। भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका के साथ करेगा। सूर्यकुमार को जून 2024 में विश्व कप जीतने के बाद भारत की टी20आई टीम की कमान सौंपी गई थी, जब रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 4 पारियों में 122 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपने करियर का अंत किया।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के दौरान अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। अपने रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन में इस गतिशील बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस (स्ढ्ढ) को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ सीजन का आनंद लिया जिसमें लगातार 16 बार 25 या उससे अधिक के स्कोर दर्ज किए, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट का समापन 717 रनों के साथ किया जो किसी भी मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज द्वारा एक सीज में सबसे अधिक और आईपीएल इतिहास में किसी भी गैर-ओपनर द्वारा सबसे अधिक रन हैं। सूर्या के नेतृत्व में भारत की टी20 बल्लेबाजी ने नई ऊंचाइयों को छुआ है, जिसमें आक्रामक इरादे और बल्लेबाजी की गहराई पर जोर दिया गया है। टीम ने लगातार विशाल स्कोर बनाए हैं, जिसमें अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन का स्कोर भी शामिल है।

जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन दर्ज किया

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया। जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 5.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य के लेन-देन दर्ज किए हैं। पिछले 9 वर्षों में जीईएम ने उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं, जिसमें स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), कारीगरों और सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के साथ 1.5 लाख महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को शामिल करना शामिल है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने बताया कि पारदर्शी, समावेशी और कुशल सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2016 में शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म अब एक डिजिटल खरीद प्रणाली के रूप में विकसित हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रमुख सुधारों में विक्रेताओं के लिए काशन मनी की समाप्ति, वेंडर असेसमेंट शुल्क का तर्कसंगत किया जाना और ट्रांजेक्शन चार्जेज में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे 97 फीसदी तक के आर्डर शुल्क-मुक्त हुए हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार ने कहा कि जेम भारत की खरीद व्यवस्था की रीढ़ बन गया है, जो पारदर्शिता को रूपांतरण से जोड़ता है। यह 9वां स्थापना दिवस केवल आंकड़ों का उत्सव नहीं है, बल्कि उन लोगों का सम्मान है जो शासन को अधिक सुलभ, समावेशी और प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल भारत की ओर बढ़ते हुए जीईएम उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करने के लिए तैयार है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 4.78 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ को लेकर बनी चिंता, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये दोनों सूचकांक कभी भी कमजोरी से उबार नहीं सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्सेज में गिरावट दर्ज की गई। बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

स्टेट बैंक का पहली तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 12 फीसदी बढ़कर 19,160 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 जून को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 12 फीसदी बढ़कर 19,160 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 17,035 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि अप्रैल-जून की तिमाही में उसकी कुल आय भी बढ़कर 1,35,342 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,22,688 करोड़ रुपये थी। बैंक की अर्जित ब्याज आय बढ़कर 1,17,996 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 1,11,526 करोड़ रुपये था। बैंक के मुताबिक परिचालन लाभ भी सालाना आधार पर 26,449 करोड़ रुपये से बढ़कर 30,544 करोड़ रुपये हो गया। इसके साथ ही जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 1.83 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.21 प्रतिशत थी। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण भी सालाना आधार पर 0.57 फीसदी से घटकर 0.47 प्रतिशत रह गया है।

व्यापार कूटनीति, नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती: जयंत चौधरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है और व्यापार कूटनीति, नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती है। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने यहां फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित 16वें वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय उद्योग द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता के प्रति संवेदनशील है। जयंत चौधरी ने कहा, वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर प्रतीत होती है। निश्चित रूप से हमें उद्योग जगत से पूर्ण समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रकार की बातचीत है, आप इसे एक प्रकार की लड़ाई कह सकते हैं, जिसमें भारत सरकार वर्तमान में लगी हुई है, लेकिन हमने निर्णय लिया है कि व्यापार कूटनीति नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम ने कमाए 34.13 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात से न केवल लोग प्रेरित हो रहे हैं बल्कि आकाशवाणी के राजस्व में भी वृद्धि हुई है। यह जानकारी सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने राज्यसभा में दी। एक प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' ने 34.13 करोड़ रुपये कमाए हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर में हो रहे सकारात्मक बदलावों को प्रदर्शित करने और नागरिकों को भारत के विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने लिए प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक माह के आखिरी रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से जुड़ते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नवाचार और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में प्रभावशाली कार्य कर रहे भारतीयों

की प्रेरणादायक कहानियां साझा करते हैं। वे युवाओं, किसानों, महिलाओं, कारीगरों, उद्यमियों, खिलाड़ियों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित जमीनी पहल और सामुदायिक प्रयासों को उजागर करते हैं। ये कहानियां अक्सर देश के दूरस्थ और विविध क्षेत्रों से आती हैं, जो राष्ट्र की समृद्ध और समावेशी भावना को दर्शाती हैं। मन की बात कार्यक्रम आकाशवाणी द्वारा अपने मौजूदा संसाधनों का उपयोग करते हुए तैयार किया जाता है, जिससे अतिरिक्त खर्च नहीं होता। केन्द्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री के अनुसार मन की बात कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण का एक सॉफ्ट टूल बन गया है, जो भारत की विविधता, दृढ़ता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जश्न मनाने वाली कहानियों के माध्यम से जनचर्चा को आकार देता है। दर्शकों की भागीदारी कार्यक्रम को एक बड़ा वर्ग आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) पर सुनता है, जो इसे अपने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर सीधा प्रसारित करता है। क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण किया जाता है ताकि स्थानीय दर्शकों तक पहुंचा जा सके। इसे दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाषा चैनलों पर भी दिखाया जाता है। डीडी फ्री डिश के माध्यम से 48 आकाशवाणी रेडियो चैनल और 92 निजी टीवी चैनल उपलब्ध हैं, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुंच होती है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, यूट्यूब चैनलों (पीएमओ इंडिया, एआईआर आदि) पर लाइव-स्ट्रीम और आर्काइव किया जाता है।प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म वेव्स और न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल ऐप (260+ आकाशवाणी चैनल) पर उपलब्ध है। भारती की न्यूज़ फ़ीड सेवा पीबी शबद पर भी उपलब्ध कराया जाता है ताकि संबद्ध प्लेटफ़ॉर्म्स पर इसका व्यापक प्रसार हो सके। फेसबुक, ट्विटर, एक्स, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर भारत और विदेश के दर्शकों द्वारा भी देखा और सुना जाता है।

केंद्र ने नए आवेदन आमंत्रित करने के लिए कपड़ा पीएलआई योजना पोर्टल फिर से खोला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन आमंत्रित करने के लिए पोर्टल फिर से खोल दिया है। ये आवेदन पोर्टल 31 अगस्त तक खुला रहेगा। कपड़ा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय ने वस्त्र उद्योग के हितधारकों के अनुरोधों को देखते हुए एमएमएफ परिधान, एमएमएफ फैब्रिक और तकनीकी वस्त्र उत्पादों के लिए वस्त्र उद्योग की पीएलआई योजना के तहत इच्छुक कंपनियों से नए आवेदन आमंत्रित करने हेतु उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पोर्टल को फिर से खोलने का निर्णय लिया है। यह पोर्टल 31 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा।मंत्रालय के मुताबिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से संबंधित दिशा-निर्देशों और आधिकारिक अधिसूचनाओं के माध्यम से पूर्व में अधिसूचित सभी नियम और शर्तें, यथा आवश्यक बदलाव सहित नए आवेदनों पर लागू

रहेंगी। मंत्रालय सभी इच्छुक कंपनियों से इस अवसर का लाभ उठाने के लिए और निर्धारित अवधि के भीतर अपने आवेदन जमा करने का आग्रह करता है। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि विस्तृत दिशा-निर्देशों और आवेदन प्रक्रियाओं के लिए आवेदकों को वस्त्र पीएलआई योजना के आधिकारिक पोर्टल https://pli.te&min.gov.in/ या मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट https://te&min.nic.in/ पर जाने की सलाह दी जाती है।

सरकार ने आयकर विधेयक 2025 वापस लिया, 11 अगस्त को पेश होगा नया विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली।सरकार ने आयकर विधेयक, 2025 को लोकसभा से औपचारिक रूप से आज वापस ले लिया तथा इसके स्थान पर सोमवार को संसद में नया आयकर विधेयक पेश किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए इस साल 13 फरवरी को संसद में पेश आयकर विधेयक को बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति को विचारार्थ भेजा गया था। प्रवर समिति ने इस विधेयक को लेकर कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। सरकार ने प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशों को विधेयक में शामिल करते हुए इसे संशोधित रूप में सोमवार, 11 अगस्त को सदन में पेश करने का निर्णय लिया है। जानकारी के मुताबिक लोकसभा में 13 फरवरी को पेश किए गए मूल विधेयक का उद्देश्य कानूनी पेचीदगियों को कम करके आयकर अधिनियम, 1961 में आमूलचूल परिवर्तन करना था।

लेकिन, समिति की समीक्षा के बाद कई संशोधनों के कारण सरकार ने भ्रम की स्थिति से बचने के लिए पहले मसौदे को वापस लेने और बहस के लिए एक संशोधित एवं समेकित संस्करण प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में प्रवर समिति द्वारा प्रस्तुत आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य आयकर से संबंधित कानून को समेकित और संशोधित करना था। नए संस्करण में सरलीकरण का उद्देश्य तो बरकरार रखा गया है, लेकिन इसमें स्पष्टता जोड़ी गई है, ताकि कोई अस्पष्टता न रहे। इसका मुख्य लक्ष्य व्याख्या संबंधी विवादों को कम करना और बिखरे हुए कर प्रावधानों को एक अधिक सुसंगत ढाँचे में समेटना है।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा भारत: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका सहित कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर कई देश भारत के साथ जुड़ने को इच्छुक हैं। पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत अमेरिका सहित कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई देश व्यापार के मोर्चे पर नई दिल्ली के साथ जुड़ने के इच्छुक हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'आज पूरी दुनिया भारत की ताकत और हमारी विशाल आबादी को पहचानती है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर एक बहुत बड़ी मांग के साथ एक विशाल घरेलू बाजार बनाते हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम कई देशों, ओमान, यूरोपीय संघ, चिली, अमेरिका, पेरू,

न्यूज़ीलैंड के साथ बातचीत कर रहे हैं। कई अन्य देश भारत के साथ जुड़ना चाहते हैं। गोयल ने कहा कि अगले दौर की वार्ता के लिए एक अमेरिकी दल 25 अगस्त से भारत आने वाला है। उन्होंने भरोसा जताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के आंकड़ों से अधिक होगा। गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात 825 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच गया है।

केंद्र ने असम और त्रिपुरा में कमजोर वर्गों के विकास के लिए 4,250 करोड़ रुपए के पैकेज को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम और त्रिपुरा के लिए मौजूदा विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) योजना के अंतर्गत 4,250 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ चार नए घटकों को अनुमति दी है। इसमें पहला घटक, भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के जनजातीय समूहों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओएस) के अनुसार, राज्य के जनजाति बहुल गांवों/क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए और दूसरा घटक असम के दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (डीएनएलए)/दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीपीएसी) समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, राज्य के दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी/दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल के बसे हुए गावों/क्षेत्रों के उत्तरी कैचर हिल्स स्वायत्त परिषद

(एनसीएचएसी) क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए का है। तीसरे घटक में भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के उल्फा समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपए और चौथ घटक में भारत सरकार और त्रिपुरा सरकार द्वारा त्रिपुरा के नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, त्रिपुरा के जनजातियों के विकास के लिए 250 करोड़ रुपए रखे गए है। प्रस्तावित चार नए घटकों का कुल परिव्यय 7,250 करोड़ रुपए होगा, जिसमें से 4,250 करोड़ रुपए असम (4000 करोड़ रुपए) और त्रिपुरा (250 करोड़ रुपए) के लिए विशेष विकास पैकेजों की मौजूदा केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाएंगे और शेष 3,000 करोड़ रुपए असम राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से प्रदान किए जाएंगे। इन पैकेजों माध्यम से, असम के जनजाति और दिमासा समुदायों, असम के विभिन्न अन्य जिलों में रहने वाले लोगों और त्रिपुरा के जनजाति समुदायों के लाखों लोग लाभान्वित होंगे। यह विशेष विकास पैकेजों की चल रही केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत एक नई पहल है। पिछले समझौता ज्ञापन -आधारित पैकेजों (जैसे, बोडो और कार्बी समूहों के लिए) ने शांति स्थापना और विकास में सकारात्मक परिणाम प्रदर्शित किए हैं।

जुलाई में खाद्य वस्तुओं की कीमतें काफी हद तक स्थिर, घर की थाली 14 फीसदी सस्ती हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान खाद्य वस्तुओं की कीमतें काफी हद तक स्थिर और नियंत्रित रही हैं। जुलाई में घर पर बनी थाली की कीमत में 14 फीसदी की कमी आई है, जो खाद्य मुद्रास्फीति में निरंतर कमी को दर्शाती है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से निगरानी और हस्तक्षेप कर रही है। बारिश के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतों में अस्थायी रूप से उछाल आया है, लेकिन अखिल भारतीय औसत कम बना हुआ है। प्याज और आलू के अधिक उत्पादन के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से कीमतों में निरंतर स्थिरता बनी है। उपभोक्ता मंत्रालय ने कहा कि देशभर के विभिन्न केंद्रों पर टमाटर की खुदरा कीमतें किसी बुनियादी मांग-आपूर्ति असंतुलन या उत्पादन में कमी के बजाय अस्थायी स्थानीय कारकों से प्रभावित हैं। मंत्रालय के मुताबिक नई दिल्ली में टमाटर का वर्तमान औसत खुदरा मूल्य 73 रुपये प्रति किलोग्राम है। यह मुख्य रूप से जुलाई के अंतिम सप्ताह से देश के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में हुई भारी वर्षा का परिणाम है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) 4 अगस्त से आजादपुर मंडी से टमाटर खरीदकर न्यूनतम मार्जिन के साथ उपभोक्ताओं को बेच रहा है। एनसीसीएफ ने खरीद लागत के आधार पर 47 रुपये से 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक के खुदरा मूल्य पर 27,307 किलोग्राम टमाटर आज तक बेचे हैं। इसकी खुदरा बिक्री नेहरू प्लेस, उद्योग भवन, पटेल चौक और राजीव चौक पर एनसीसीएफ के स्टेशनरी आउटलेट्स के जरिए की जा रही है। साथ ही शहर भर में विभिन्न स्थानों पर संचालित 6-7 मोबाइल वैन के माध्यम से भी की जा रही है। मौसम संबंधी इस व्यवधान के कारण जुलाई महीने के अंत तक कीमतें 85 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं थी।

पीएमयूवाई लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी देने को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर सब्सिडी देने को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 12 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएमयूवाई उपभोक्ताओं की औसत प्रति व्यक्ति खपत (पीसीसी) 2019-20 में केवल लगभग 3 रिफिल थी, जो 2022-23 में 3.68 रिफिल और 2024-25 में बढ़कर लगभग 4.47 रिफिल हो गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई)

मई 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देशभर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को निशुल्क एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। एक जुलाई, 2025 तक देश में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं। सभी पीएमयूवाई लाभार्थियों को सिलेंडर की सुरक्षा जमा राशि, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज़, डोमेस्टिक गैस कंज़्यूमर कार्ड (डीजीसीसी) पुस्तिका और इंस्टॉलेशन शुल्क सहित निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन मिलता है।

उज्ज्वला 2.0 की मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, सभी लाभार्थियों को पहला रिफिल और चूल्हा भी निःशुल्क दिया जाता है। लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन, पहला रिफिल या चूल्हे के लिए कोई भुगतान नहीं करना पड़ता, क्योंकि इनकी लागत भारत सरकार/तेल विपणन कंपनियां वहन करती हैं। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.32 अरब डॉलर घटकर 688.87 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक अगस्त को समाप्त हफ्ते में 9.32 अरब डॉलर घटकर 688.87 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.70 अरब डॉलर बढ़कर 698.19 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि एक अगस्त को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.32 अरब डॉलर घटकर 688.87 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 7.32 अरब डॉलर घटकर 581.61 अरब डॉलर रह गईं। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.71 अरब डॉलर घटकर

83.99 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 23.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.69 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

रक्षाबंधन पर फ्लिपकार्ट मिनट्स के ऑर्डर 30 गुना बढ़े, रात 8 बजे सबसे ज्यादा ऑर्डर किए गए

नई दिल्ली। इस साल रक्षाबंधन त्योहार मनाने के लिए लोगों ने सामान खरीदने और गिफ्ट्स भेजने के लिए क्विक डिलीवरी प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट मिनट्स को काफी पसंद किया है, जिसके चलते इस प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर्स देने की डिमांड 30 गुना तक बढ़ गई। इस वर्ष रक्षाबंधन त्योहार की खरीदारी फ्लिपकार्ट मिनट्स पर सबसे ज्यादा शाम 7 से 9 बजे के बीच हुई, जिसमें रात 8 बजे सबसे ज्यादा ऑर्डर किए गए। फ्लिपकार्ट मिनट्स ने एक बयान में बताया कि इस बार दिल्ली-एनसीआर, बैंगलोर और मुंबई जैसे बड़े शहरों से लेकर लखनऊ, कानपुर और पटना जैसे छोटे शहरों तक लोगों ने समय पर गिफ्ट पहुंचाने के लिए फ्लिपकार्ट मिनट्स को चुना। गिफ्टिंग कैटेगरी में हमेशा की तरह मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, परफ्यूम और नॉन-फूड गिफ्ट कॉम्बो की खूब डिमांड रही। साथ ही घड़ी, हैंडबैग और वॉलेट जैसे यूज़फुल गिफ्ट्स भी लोगों को पसंद आए, जिससे ये पता चलता है कि लोग अब इमोशन और यूटिलिटी दोनों का ध्यान रखकर गिफ्ट चुन रहे हैं। फ्लिपकार्ट मिनट्स के मुताबिक रक्षाबंधन पर धार्मिक, डिजाइनर और मिक्स राखियां सबसे ज?यादा बिकीं। त्योहार से जुड़ी चीजों जैसे चॉकलेट और गिफ्ट बॉक्स की डिमांड भी 5 गुना तक बढ़ी। इसके साथ ही पारंपरिक मिठाइयों की डिमांड 12 गुना और ड्राई फ्रूट्स की 3 गुना बढ़ गई। लोगों ने सबसे चॉकलेट्स, राखी गिफ्ट पैक, गिफ्ट हैम्पर, ड्राय फ्रूट बॉक्स, स्टेशनरी गिफ्ट, महिलाओं के परफ्यूम सेट और डार्क चॉकलेट गिफ्ट पैक सर्च किये।

पश्चिम बंगाल चावल उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर, केंद्र सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

एजेंसी

कोलकाता। राज्यसभा में सांसद शामिक भट्टाचार्य द्वारा पश्चिम बंगाल में चावल उत्पादन की स्थिति को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने बताया है कि राज्य में चावल उत्पादन में वृद्धि होने के बावजूद वह अब देश का सबसे बड़ा चावल उत्पादक राज्य नहीं रहा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022-23 में राज्य में चावल उत्पादन 154.84 लाख टन था, जो 2024-25 में बढ़कर 164.91 लाख टन हो गया है। हालांकि इसी अवधि में उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में चावल उत्पादन में कहीं अधिक तेज़ी से वृद्धि दर्ज की गई, जिससे पश्चिम बंगाल अब चावल उत्पादन में देशभर में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि चावल की खेती में आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने प्रयास शुरू किए हैं। चावल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक बुवाई मौसम (खरीफ और रबी) से पहले ज़ोनल बीज समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। पश्चिम बंगाल में गत दो वर्षों और चालू खरीफ 2025 सीजन में आवश्यकता से अधिक प्रमाणित बीज

उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार ने अनुसंधान और आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार के लिए भी ठोस कदम उठाए हैं। आईसीएआर के केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के सहयोग से पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में उन्नत और जलवायु अनुकूल चावल की किस्में वितरित की गई हैं। कूचबिहार में लगभग 700 किसानों को 10 टन बीज, बर्दवान और हुगली में लगभग 150 किसानों को सीआर धान 312 और सीआर धान 801 जैसी किस्मों के बीज और बांकुड़ा व पुरुलिया में एक हजार किसानों को सीआर धान 807 और सीआर धान 804 जैसे बीज प्रदान किए गए हैं। राज्य में स्थानीय बीज श्रृंखला को सशक्त बनाने के लिए ब्रीडर बीज भी वितरित किए गए हैं। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैविक खाद जैसे गोबर खाद, कम्पोस्ट और वर्मी कम्पोस्ट के समन्वित उपयोग को बढ़ावा दिया गया है। किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने नीम लेपित यूरिया की अधिकतम खुदरा कीमत 266 प्रति 45 किलोग्राम बैग तय की है।इसके साथ ही, सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन को भी सक्रिय रूप से लागू किया है, जो वर्तमान में 28 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। इन सभी प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल का चावल उत्पादन अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत धीमा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार, बेहतर बीज प्रणाली और उर्वरता प्रबंधन को पूरी क्षमता के साथ लागू करें, तो पश्चिम बंगाल फिर से देश के अग्रणी चावल उत्पादक राज्यों में स्थान प्राप्त कर सकता है।

महान नासा अंतरिक्ष यात्री जिम लवेल का निधन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के कई अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिम लवेल का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। श्री लवेल 1970 में चंद्रमा पर उतरने के अपने प्रयास को तकनीकी कारण छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे। उन्होंने अपोलो 13 मिशन का नेतृत्व किया था। नासा की एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार लवेल का 07 अगस्त को इलिनोइस के लेक फ़ॉरेस्ट में निधन हो गया। उनकी मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुए हैं। अंतरिक्ष यात्री लवेल के परिवार ने गोपनीयता का अनुरोध किया लेकिन एक बयान में कहा, ÷हमें अपने प्रिय पिता यूएसएन कैप्टन जेम्स ए. 'जिम' लवेल, के निधन की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है। वह एक नौसेना पायलट और अधिकारी, अंतरिक्ष यात्री, नेता और अंतरिक्ष अन्वेषक रहे थे। परिवार ने अपने बयान में कहा, हमें उनके अद्भुत जीवन और करियर की उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान में अग्रणी उनके शानदार नेतृत्व ने भी योगदान दिया। गौरतलब है कि अपोलो 13 की कमान संभालने के लिए चुने जाने से पहले लवेल जेमिनी 7, जेमिनी 12 और अपोलो 8 मिशनों पर तीन बार अंतरिक्ष में जा चुके थे। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण अपोलो 13 मिशन के दौरान, चालक दल के सर्विस मॉड्यूल पर स्थित एक ऑक्सीजन टैंक में विस्फोट हो गया, जब वे पृथ्वी से लगभग 200,000 मील (322,000 किलोमीटर) दूर थे।

गाजा पट्टी पर कब्जा करने की नेतन्याहू की योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

तेल अवीव। इज़रायल सरकार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पूरे गाजा पट्टी पर कब्ज़ा करने की योजना को मंजूरी दे दी है। श्री नेतन्याहू के कार्यालय ने इसकी घोषणा की। श्री नेतन्याहू ने कहा कि हमास के बाद की इस सरकार के लिए एक 'विस्तृत योजना' तैयार की जाएगी, जिसमें इजरायल आंतरिक प्रशासन में कोई भूमिका नहीं निभाएगा और न ही फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण को कोई भूमिका निभाने की अनुमति देगा। उन्होंने कहा कि यह एक नागरिक प्रशासन होगा। उन्होंने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने की अपनी योजना और उसके मतलब को समझाते हुए उन्होंने कहा, हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हम हमास को वहां से हटाना और लोगों को गाजा से मुक्त कराने के साथ ही वहां नागरिक शासन स्थापित करना चाहते हैं।उन्होंने कहा, हम इसे बनाए नहीं रखना चाहते। हम एक सुरक्षा घेरा चाहते हैं, लेकिन हम इसे नियंत्रित नहीं करना चाहते। हम वहाएक शासक निकाय के रूप में नहीं रहना चाहते। इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इज़रायल इसे अरब सेनाओं को सौंपना चाहता है जो हमें धमकी दिए बिना, इसे ठीक से चलाएंगी और गाजावासियों को एक अच्छा जीवन प्रदान करेंगी।

लोकार्नो ने डेविड लिंच को श्रद्धांजलि के साथ दी विदाई

जेनेवा। लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के 78वें संस्करण की ओपनिंग नाइट पर सिनेमा के दिग्गज डेविड लिंच को भावुक और दिल छू लेने वाली श्रद्धांजली और विदाई दी गई। यह विशेष पल लिंच के शिष्य डुवेन डनहम की और से पेश किया गया, जिन्होंने संपादक और निर्देशक के तौर पर उनका साथ काम किया है। हॉलीवुड रिपोर्टर की खबर के मुताबिक लोकार्नो 2025 की ओपनिंग फिल्म शुरु होने से पहले आर्टिस्टिक डायरेक्टर फियोना ए. नज़्ज़ारो ने एक चौंकाने वाली श्रद्धांजलि की तैयारी की। उन्होंने नाम लिए बिना कहा कि यह श्रद्धांजलि उस क्रिएटिव शख्सियत को समर्पित है, जिसने सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। नज़्ज़ारो ने आगे कहा, सौंदर्य, सपने और कला में उनका योगदान कभी भुला नहीं जाएगा और आज रात, हम इस अद्भुत लघु फिल्म 'एन अनफिनिश्ड रूम' के साथ जश्न मनाएंगे। इस लघु फिल्म में लिंच के बयान थे जिनमें वो अपनी पेंटिंग और फिल्मी कृतियों जैसी चीज़ों पर चर्चा कर रहे थे। साथ ही लिंच की पसंदीदा फिल्मों जैसे ट्वीन पिक्स, ब्लु वेल्वेट और द एलिफेंट मैन और व्हाट डीड जैक डु? के दृश्य भी थे। साथ ही लिंच की पेंटिंग और संगीत बनाते हुए दृश्य भी शामिल थे। लघु फिल्म का संपादन डनहम द्वारा किया गया, जो लोकार्नो में अपनी फिल्म लीजेंड ऑफ द हैप्पी वर्कर का विश्व प्रीमियर करने के लिए आए हैं।

जापानी शहर किरिशिमा में भारी बारिश की आपातकालीन चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान की मौसम एजेंसी ने सुबह दक्षिण-पश्चिमी कागोशिमा प्रान्त के किरिशिमा शहर में भारी बारिश की आपातकालीन चेतावनी जारी की तथा निचले इलाकों में भूस्खलन, बाढ़ तथा नदियों के उफान पर होने की उच्चतम स्तर की सावधानी बरतने का आह्वान किया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, देश की पांच-स्तरीय आपदा चेतावनी प्रणाली में इस वर्ष पहली बार उच्चतम स्तर की चेतावनी किरिशिमा में रिकॉर्ड बारिश दर्ज होने के बाद जारी की गई। किरीशिमा के एक हिस्से में आज स्थानीय समयानुसार सुबह तीन बजे तक 107.5 मिमी बारिश दर्ज की गई जो उस जगह पर अब तक की सबसे भारी बारिश है। 12 घंटों में कुल बारिश 480 मिमी से ज़्यादा हो गई जो शहर में अगस्त के औसत से लगभग 1.8 गुना ज़्यादा है। जेएमए ने कहा कि कागोशिमा सहित क्यूशू क्षेत्र में रविवार तक मूसलाधार बारिश जारी रहने की उम्मीद है। इसने कहा कि सुबह तक 24 घंटों में दक्षिणी क्यूशू में 200 मिमी और उत्तरी क्यूशू में 120 मिमी बारिश होने का अनुमान है।

यूक्रेन युद्धविराम पर चर्चा के लिए अलास्का में ट्रंप और पुतिन की बैठक

एजेंसी

न्यूयॉर्क। यूक्रेन युद्ध में युद्ध विराम की उम्मीदें बढ़ने के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अगले अहम बैठक करने की घोषणा की है। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका ने भारत 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जो रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया गया है। तीन दिनों की तेज़ घटनाओं के बाद, ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, मेरी और पुतिन की लंबे समय से प्रतीक्षित बैठक 15 अगस्त 2025, को अमेरिका के अलास्का राज्य में होगी। उन्होंने कहा कि आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। यह ऐलान इसलिए चौंकाने वाला था क्योंकि गुरुवार को ही ट्रंप ने कहा था कि वे पुतिन से ÷बहुत निराश÷ हैं, हालांकि उन्होंने बातचीत में प्रगति की भी बात कही थी। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि

राष्ट्रपति पुतिन शांति चाहते हैं और यूक्रेन के राष्ट्रपति भी अब शांति चाहते हैं। हाल की घटनाएं इस दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने भारत से जुड़े मामले पर टिप्पणी नहीं की, जो शायद 25 प्रतिशत शुल्क के मुद्दे से संबंधित था। ट्रंप ने भारत का नाम लेकर कहा था कि रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। इसे रूस पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश के रूप में देखा गया, ताकि भारत मास्को को तेल से होने वाली कमाई कम कर दे। वहीं, बैठक की तैयारी के लिए पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अमेरिका के साथ हुई यूक्रेन पर बातचीत की जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि भारत और रूस के विशेष संबंधों को देखते हुए, पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीवन विटकॉफ से हुई बैठक के मुख्य नतीजे साझा किए।÷ भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि ÷प्रधानमंत्री ने पुतिन का धन्यवाद किया और भारत की राय दोहराई कि विवाद का हल शांति से होना चाहिए। ट्रंप द्वारा रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की अंतिम तारीख थी, जिसमें रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर भी अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात थी।

गाजा संकटः जर्मनी ने सैन्य निर्यात पर लगाई रोक

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने घोषणा की है कि गाज़ा पट्टी में इस्तेमाल हो सकने वाले किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को अगले आदेश तक मंजूरी नहीं दी जाएगी। यह निर्णय इज़राइल द्वारा गाज़ा सिटी पर नियंत्रण के लिए सैन्य अभियान विस्तार योजना को मंजूरी देने के बाद लिया गया। मर्ज़ ने कहा कि इज़राइल को हमास को निरस्त्र करने और बंधकों की रिहाई का अधिकार है, लेकिन हाल में तय किए गए कठोर सैन्य कदमों से इन लक्ष्यों को पाना और कठिन हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि बढ़ते संघर्ष के बीच गाज़ा के नागरिकों की पीड़ा गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने एक बयान में कहा, जर्मन सरकार का मानना है कि इजराइली मंत्रिमंडल द्वारा गुरुवार रात गाजा पट्टी में और भी कड़ी सैन्य कार्रवाई करने के फैसले को देखते हुए यह निर्णय जरूर हो गया था। तमाम हालातों और परिस्थितियों को समझने के बाद यह

तय हुआ है कि जर्मन सरकार अगली सूचना तक गाजा पट्टी में इस्तेमाल हो सकने वाले किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को मंजूरी नहीं देगी। जर्मन सरकार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसकी प्राथमिकताएं बंधकों की सुरक्षित रिहाई और युद्धविराम के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

अर्मीनिया-अजरबैजान के बीच दशकों पुराना विवाद खत्म, ट्रंप की मौजूदगी में शांति समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका की मध्यस्थता में दो पुराने प्रतिद्वंद्वी अजरबैजान और आर्मीनिया ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में हुए इस शांति समझौते में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान शामिल हुए।

आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच शांति समझौते को लेकर ट्रंप ने कहा कि दोनों देश 35 वर्षों तक लड़ते रहे हैं और अब लंबे समय तक दोस्त बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने हमेशा के लिए लड़ाई बंद कर यात्रा, व्यापार और राजनयिक संबंधों को खोलने का वादा किया है।

आर्मीनिया और अजरबैजान के दोनों नेताओं ने ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें संघर्ष खत्म कराने में मदद के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वे उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि आर्मीनिया और अजरबैजान विवाद की जड़ नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र है, जो अजरबैजान का हिस्सा होते हुए भी जातीय रूप से आर्मेनियाई आबादी वाला इलाका रहा। 80 के दशक के अंत में यह आर्मेनिया के समर्थन से अलग हो गया था। 2023 में अजरबैजान ने पूरा नियंत्रण वापस ले लिया, जिसके बाद लगभग 1 लाख जातीय आर्मेनियाई लोग आर्मेनिया चले गए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा- फिलीस्तीन को राज्य के रूप में मान्यता देने की योजना नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने स्पष्ट किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका फिलीस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता देने का इरादा नहीं रखता।

यह बयान ऐसे समय आया है जब फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन हाल ही में फिलीस्तीनी राज्य को मान्यता देने की दिशा में कदम उठाने की घोषणा कर चुके हैं। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान वेंस ने कहा, हमारी कोई योजना नहीं है कि फिलीस्तीन को मान्यता दी जाए। वहां एक कार्यात्मक सरकार न होने के कारण यह कदम व्यावहारिक रूप से भी संभव नहीं दिखता। वेंस ने क्षेत्र में अमेरिकी प्रशासन के दो मुख्य लक्ष्यों पर जोर दिया - पहला, हमास को एक खतरे के रूप में समाप्त करना और दूसरा, गाजा में मानवीय संकट का समाधान करना। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हमास कभी भी निर्दोष इजराइली नागरिकों पर हमला न कर

सके, और इसके लिए उसका पूर्ण उन्मूलन आवश्यक है। साथ ही, राष्ट्रपति गाजा के मानवीय संकट से जुड़े भयावह दृश्यों से गहराई से प्रभावित हैं और हम इस समस्या को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इजराइल द्वारा गाजा सिटी पर कब्जे के फैसले पर टिप्पणी करने से वेंस ने यह कहते हुए इनकार किया कि इस मुद्दे पर कूटनीतिक बातचीत जारी है। उन्होंने जोड़ा कि इस विषय पर आधिकारिक बयान संभवतः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं देंगे।

चीन ने ट्रंप के टैरिफ की धमकी पर दी प्रतिक्रिया, कहा- रूस के साथ व्यापार वैध

एजेंसी

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर रूसी तेल खरीदने को लेकर टैरिफ लगाने की धमकी के बीच, चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस सहित अन्य देशों के साथ अपने व्यापार और ऊर्जा सहयोग को वैध और कानूनी बताया है। नियमित प्रेस वार्ता में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, चीन की स्थिति स्पष्ट और स्थिर है। रूस सहित दुनिया भर के देशों के साथ चीन का सामान्य आर्थिक, व्यापार और ऊर्जा सहयोग वैध और कानूनी है। चीन राष्ट्रीय हितों के आधार पर ऊर्जा सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाता रहेगा। गौरतलब है कि हाल ही में ट्रंप ने संकेत दिया था कि यदि चीन रूसी तेल खरीदना जारी रखता है, तो उस पर सेकेंडरी टैरिफ लगाए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था, हो सकता है ऐसा हो। मैं अभी नहीं कह

सकता, लेकिन हमने भारत के साथ ऐसा किया। संभवतः हम कुछ और देशों के साथ भी ऐसा करेंगे। उनमें से एक चीन हो सकता है। गुओ जियाकुन ने टैरिफ के दुरुपयोग का विरोध जताया और इसे लेकर चीन की स्थिति को स्थिर और स्पष्ट बताया। जब ट्रंप द्वारा भारत पर रूसी तेल आयात को लेकर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के निर्णय के बारे में पूछा गया, तो गुओ ने कहा, ÷टैरिफ के दुरुपयोग का चीन हमेशा विरोध करता रहा है और इस पर उसकी नीति स्पष्ट है। बता दें कि ट्रंप ने बुधवार को भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो 20 जुलाई को लागू हुए पहले के 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त है। उन्होंने इसका कारण भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल का निरंतर आयात बताया। अमेरिकी फैसले पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने इसे ÷अनुचित, अन्यायपूर्ण और असंगत÷ बताया और कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं और रणनीतिक स्वायत्तता का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरुवार को दिल्ली में आयोजित एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की रक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

भारत सरकार के मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा की

एजेंसी

काठमांडू। भारत सरकार में पोत, जहाज और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल एक दिवसीय धार्मिक यात्रा पर काठमांडू पहुंचे हैं। शुक्रवार की सुबह विमानस्थल पर केंद्रीय मंत्री का नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने स्वागत किया।

केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल ने पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा की। मंदिर पहुंचने पर पशुपति क्षेत्र विकास कोष के सदस्य सचिव डॉ. मिलन थापा ने उनकी अगुवाई की। पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा करने के बाद सोनोवाल ने वहीं पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। सोनोवाल पशुपति मंदिर क्षेत्र में आयोजित कोटि होम महायज्ञ में भी शामिल हुए। काली बाबा के नाम से मशहूर श्री 1008 कृष्णानंद जी महाराज के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

मीर यार ने ट्रंप को पत्र लिखकर बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता देने का किया आग्रह

एजेंसी

क्वेटा (बलूचिस्तान)। बलूचिस्तान आंदोलन के सदस्य और मानवाधिकार रक्षक मीर यार बलूच ने अमेरिका से बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता और समर्थन देने का आग्रह किया है। मीर यार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को सात अगस्त को लिखे पत्र में कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य पाकिस्तान और ईरान के अवैध कब्जे वाला प्राचीन और संप्रभु राष्ट्र है। दुर्लभ खनिज, तेल, गैस, हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों से समृद्ध होने के बावजूद यहां के लोगों का दमन हो रहा है। मीर यार बलूच ने इस पत्र को अपने एक्स हैंडल पर भी साझा किया है। बलूच ने लिखा, पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर से आगामी यात्रा के दौरान पूछा जाना

चाहिए कि पाकिस्तान किस कानून और नैतिक आधार पर बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा पर अपना दावा करता है? मीर बलूच ने कहा कि मुनीर ऐसी संस्था का नेतृत्व करते हैं, जो पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान में घोर मानवाधिकार उल्लंघनों में व्यापक रूप से शामिल है। पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई न सिर्फ 40 हजार से ज्यादा बलूच नागरिकों के जबरन गायब होने के लिए जिम्मेदार हैं, बल्कि लंबे समय से ओसामा बिन लादेन समेत कई वैश्विक आतंकवादियों को पनाह देने से भी जुड़े रहे हैं। मीर यार बलूच ने लिखा है, अमेरिका ने 9/11 के बाद पाकिस्तान पर भरोसा करके एक गंभीर भूल की है। पिछले अमेरिकी प्रशासनों ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को बढ़ावा दिया है, जो आतंकवादियों को पनाह और कट्टरपंथ को बढ़ावा देता है। हाल के महीनों में आईएसआई की निगरानी में प्रशिक्षण केंद्रों में वृद्धि हुई है। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका कट्टरपंथी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों का नए सिरे से पुनर्मूल्यांकन करे।

पाकिस्तान नेशनल असेंबली ने पीटीआई के तीन प्रमुख नेताओं को संसदीय पदों से हटाया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तीन नेताओं को नेशनल असेंबली ने प्रमुख संसदीय पदों से हटा दिया। उमर अयूब खान से विपक्षी नेता, जरताज गुल से संसदीय दल की नेता और अहमद चट्ठा से उप संसदीय नेता का पद छीन लिया गया। तीनों को उनके संसदीय पदों से बाहर करने का कदम अदालती कार्यवाही के बाद उठाया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार इस महीने की शुरुआत में फैसलाबाद स्थित एक विशेष आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) ने 09 मई के विरोध प्रदर्शनों से संबंधित मामलों में शीर्ष पीटीआई नेताओं को 10 साल तक की जेल की सजा सुनाई थी। अदालत ने अयूब, सीनेट में विपक्षी नेता शिबली फराज, जरताज गुल, एमएनए साहिबजादा हामिद रजा और पूर्व एमएनए शेख राशिद

शफीक समेत 108 पीटीआई नेताओं दोषी ठहराया था। विपक्षी नेता को आवंटित कक्ष भी पार्टी से वापस ले लिया गया। नए विपक्षी नेता की नियुक्ति के लिए विपक्ष और स्पीकर के बीच विचार-विमर्श चल रहा है। पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को संसदीय नेता और उप-संसदीय नेता के पदों के लिए नए नामांकन प्रस्तुत करने होंगे। अयूब को लोक लेखा समिति और वित्त समिति से भी बाहर कर दिया गया है। नेशनल असेंबली ने पीटीआई के सात सांसदों की 15 स्थायी समितियों की सदस्यता भी वापस ले ली है। साहिबजादा हामिद रजा को मानवाधिकार संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष और राय हसन नवाज को रेलवे संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। यह बदलाव पाकिस्तान चुनाव आयोग के पीटीआई के कई सदस्यों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद किए गए हैं।

20 साल के शख्स ने बनाया नया 'देश', 400 नागरिक और अपनी करेंसी

एजेंसी

न्यूयॉर्क । एक 20 साल के युवा एरिक लिस् ने यूरोप में डेन्यूब नदी के किनारे एक नया देश 'फ्री रिपब्लिक ऑफ वर्दिस' बनाने का

दावा किया है। एरिक ने क्रोएशिया और सर्बिया की सीमा पर स्थित 7 वर्ग किलोमीटर की खाली जमीन पर इस देश की स्थापना की है। उन्होंने दावा किया है कि उनके देश के करीब 400 नागरिक हैं, जो ऑनलाइन आवेदन करके इसका हिस्सा बने हैं।

एरिक ने अपने नए देश के लिए एक कैबिनेट का भी गठन किया है, जिसमें उन्होंने फेसबुक ग्रुप्स के जरिए मंत्रियों का चयन किया है। वर्दिस की अपनी करेंसी भी है, जिसका नाम है 'एटोम'। एरिक के मुताबिक, उनका देश एक शांतिपूर्ण और उदारवादी गणराज्य है, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद से दूर रहना चाहता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अभी तक 'फ्री रिपब्लिक ऑफ वर्दिस' को एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं दी है।

थाईलैंड मंत्रिमंडल ने दी चीन, स्वीडन के साथ रक्षा सौदों की मंजूरी

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड सरकार ने चीन और स्वीडन के साथ रक्षा सौदों को मंजूरी दी है जिसमें स्वीडिश ग्रिपेन लड़ाकू विमानों, दो विदेशी निर्मित युद्धपोत और चीन के साथ एक पनडुब्बी सौदे को अंतिम रूप देना शामिल है। द नेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी है।

जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वीडिश लड़ाकू विमान अमेरिकी एफ-16 विमानों की जगह लेंगे जो 37 वर्षों से थाई वायु सेना में सेवारत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खरीद में तीन सिंगल-सीट एसएएबी जेएएस-39 ग्रिपेन ई विमान और एक दो-सीट ग्रिपेन एफ विमान, साथ ही सहायक प्रणालियाँ और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण शामिल हैं। विमान आधुनिक मेटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों और अन्य हथियारों से लैस होंगे।रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 12 विमानों की कुल लागत 60 अरब थाई

बाहत (1.85 अरब डॉलर) होने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार कैबिनेट ने थाई नौसेना के लिए 35 अरब थाई बाहत की लागत से दो युद्धपोत खरीदने को भी मंजूरी दी है। यह खरीद कथित तौर पर नौसेना की रणनीतिक योजना का हिस्सा है जिसके तहत 2037 तक आठ युद्धपोत हासिल करने की योजना है ताकि थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर दोनों में देश की समुद्री सुरक्षा को मज़बूत किया जा सके।रिपोर्ट के अनुसार कैबिनेट ने एस26टी पनडुब्बियों की खरीद के अनुबंध में संशोधन को भी मंजूरी दी है, जिसके तहत इंजन के विनिर्देशों को बदलकर चीन निर्मित सीएचडी 620 मॉडल का इस्तेमाल किया जाएगा। डिलीवरी की तारीख बढ़ा दी गई है और पहली पनडुब्बी 2030 में आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है डीज़ल पनडुब्बियों के लिए अनुबंध पर थाईलैंड ने मूल रूप से चीन की सरकारी स्वामित्व वाली चाइना शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड के साथ 2017 में हस्ताक्षर किए थे और पहली पनडुब्बी 2023 में आपूर्ति की जानी थी। हालाँकि, जर्मनी ने चीन को रणनीतिक उपकरणों की आपूर्ति पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध के कारण थाईलैंड और चीन के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट एमटीयू 396 इंजन की आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है।

स्थानीय समाचार

रक्तदान यात्रा के तहत एम्स विजयपुर में 1400 युवाओं ने किया रक्तदान

सांबा, 9 अगस्त । महाराष्ट्र सरकार के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा शुरू की गई सिंदूर महा रक्तदान यात्रा के तहत एम्स विजयपुर जम्मू में महाराष्ट्र से आए 1400 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय यूनियन हेल्थ मंत्री प्रतापराव जाधव और महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री डॉ. उदय रविंद्रा समंत ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि यह अभियान देश में एकजुटता और सेवा भावना का परिचायक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर जारी है, जिसमें पाकिस्तान के आतंकवादियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त किया गया है। मंत्री ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत में चुनाव पूरी पारदर्शिता से होते हैं।

एम्स विजयपुर के डायरेक्टर शक्ति गुप्ता ने इस महा रक्तदान मुहिम की सराहना की और बताया कि आज 60 युवाओं ने रक्तदान किया जबकि कल भी इसी संख्या में युवा रक्तदान करेंगे। इस अभियान से जम्मू-कश्मीर समेत पूरे देश में रक्तदान की जागरूकता बढ़ेगी।

रक्तदान यात्रा में शामिल युवाओं ने मानव सेवा के लिए इस पहल को प्रेरणादायक बताया और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने का संकल्प लिया।

मेंढर में सिंगाला के पास मेंढारी नदी पर पक्का पुल बनाने की मांग तेज

जम्मू,, 9 अगस्त । मेंढर स्थानीय निवासी बाली और मोहम्मद हनीफ ने सिंगाला के पास मेंढारी नदी पर पक्का पुल न होने पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि स्कूली बच्चों और आम जनता को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि पक्का पुल न होने के कारण छात्र नदी को बेहद असुरक्षित हालात में पार करने को मजबूर हैं, जिससे उनकी जान को हमेशा खतरा बना रहता है। सिंगाला चौक के आसपास जम्मू-कश्मीर बैंक, सरकारी आईटीआई, कॉलेज, अकादमियां और कई सरकारी दफ्तर स्थित हैं, जिससे यह इलाका मेंढर कस्बे का केंद्रीय केंद्र माना जाता है।

स्थानीय लोगों ने सरकार, कैबिनेट मंत्री जावेद राणा और जिला प्रशासन पुंछ से मानक निर्माण पद्धति के तहत पक्का पुल बनाने की मांग की है, ताकि स्कूली बच्चों और आम जनता को सुरक्षित और आसान आवाजाही की सुविधा मिल सके।

रजनी सेठी ने हर घर तिरंगा का कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू, 9 अगस्त। तिरंगा केवल तीन रंगों वाला एक कपड़ा नहीं है - यह हमारे महान राष्ट्र की आन, बान और शान है। यह भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है। तिरंगे का हर धागा अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और एक अरब से ज़्यादा भारतीयों के सपनों को समेटे हुए है। इसके महत्व को समझते हुए मोदी सरकार ने पूरे देश को एक महान संदेश दिया है। आज़ादी का अमृत महोत्सव के भव्य आयोजन के दौरान घरों, दफ्तरों, स्कूलों और सभी सरकारी संस्थानों में तिरंगा फहराना। जम्मू और कश्मीर में इस संदेश का एक विशेष महत्व है। 2014 से पहले स्थिति बिल्कुल अलग थी। कई वर्षों तक जम्मू-कश्मीर में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने तिरंगे के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया। आतंकवाद, अलगाववादी दुष्प्रचार और बार-बार बंद के आह्वान के कारण कई इलाकों में किसी ने भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने की हिम्मत नहीं दिखाई।

भारत तिब्बत सहयोग मंच ने पेड़ को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

जम्मू, 9 अगस्त (हि.स.)।,भारत तिब्बत सहयोग मंच (बीटीएसएम) ने जम्मू में पेड़ों के चारों ओर राखी (पवित्र धागे) बांधकर और नए पेड़ लगाकर रक्षा बंधन मनाया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण की रक्षा और पेड़ों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस पहल का उद्देश्य पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण को बढ़ावा देना है। फ्रप्रकृति के लिए राखी, जीवन के लिए पेड़फ्र शीर्षक वाले इस कार्यक्रम में प्रेम और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में पारंपरिक राखियां बांधना शामिल था जिसके बाद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यूटी के अध्यक्ष डॉ. विवेक शर्मा ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और वातावरण में सीओ2 का उत्सर्जन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है।

गुलदाउदी : बारह मासी फूलों का पौधा

गुलदाउदी मूलत. तीन प्रकार की होती है- पहली बड़ी, दूसरी छोटी और तीसरी मिनी. बड़ी प्रजाति में करीब 13 आकार के फूल आते हैं, जैसे स्पाइडर, ट्यूबलर, रेफ्लेक्स, इनकर्व, डेकोरेटिव आदि. छोटी में करीब छह-सात आकार के फूल आते हैं, जैसे एनीमोन, पॉम्पन, डेकोरेटिव, स्प्रे, कोरियन और नो पिंच नो स्टेक आदि. मिनी में भी कई आकार के फूल आते हैं. गुलदाउदी के पौधे लगाने के लिए गमले को 70 प्रतिशत गोबर की पुरानी खाद, 15 प्रतिशत पत्ती की खाद, 10 प्रतिशत पुराने गमले की मिट्टी, 5 प्रतिशत मौरंग व 100 ग्राम हड्डी का चूरा, 100 ग्राम नीम की खली, 5 ग्राम जिंक, 5 ग्राम म्यूरेटा पोटाश व थोड़ा सा सल्फर व बोरान मिलाकर भर लें.

गमले में लगाने के लिए बड़ी गुलदाउदी की कुछ अच्छी प्रजातियां इस प्रकार हैं- स्नो बाल, कीकू बेरी, डिग्निटी, पिंक क्लाउड, बोला देवरा, अजीना पर्पल, सोनार बांग्ला,कस्तूरबा गांधी, चंगेज खां आदि. छोटी गुलदाउदी की प्रजातियां हैं- कॉटन बाल, बीरबल साहनी, अप्सरा, स्वीट सिंगार, जयंती, कुंदन, ननाको, रतन आदि. मिनी की प्रजातियां को आप चाहें तो प्लास्टिक के कप या गिलास में भी लगाकर कमरों में सजा सकते हैं. बड़ी गुलदाउदी को लगाने के कई प्रकार हैं. पहला एक गमले में एक पौधा लगाकर उसकी ऊपर से पिंचिंग करके तीन फूल ही लें. इससे अधिक नहीं. दूसरा- एक गमले में एक ही प्रजाति के पांच पौधे लगाकर प्रत्येक में एक ही फूल लें. इसकी पिंचिंग नहीं करनी पड़ती. तीसरा- एक गमले में एक ही पौधा लगाकर उसकी कई बार पिंचिंग की जाती है.

इससे एक ही पौधे में कई सारे फूल आते हैं. छोटी गुलदाउदी का एक ही पौधा लगा कर व अलग-अलग ऊंचाई पर उसकी पिंचिंग करके उसके कई आकार बनाए जा सकते हैं, जैसे फैन, ट्री, कैस्केट आदि. पौधे की कम से कम तीन बार पिंचिंग करके उसको खूबसूरत आकार दिया जा सकता है. परिचय गुलदाउदी एक बारह मासी सजावटी फूलों का पौधा है. इसकी लगभग 30 प्रजातियों पाई जाती हैं. मुख्यत: यह एशिया और पूर्वोत्तर यूरोप मे पाया जाता है. ग्रीक भाषा के अनुसार क्राइसैंथिमम शब्द का अर्थ स्वर्ण पुष्प है.

इस जाति का पुष्प छोटा तथा सम्मित एनीमोन सदृश होता है. बेंथैम तथा हूकर (Bentham and Hooker, 1862-93) के वनस्पति-विभाजन-क्रम के आधार पर गुलदाऊउदी का स्थान नीचे दिए हुए क्रम के अनुसार निर्धारित होता है- वर्ग द्विदलीय उपवर्गगैमोपेटैली श्रेणी इनफेरी आर्डर ऐस्टरेलीज़ कुल कॉम्पॉज़िटी जीनस क्राइसैंथिमम7 गुलदाउदी संसार के सबसे प्रसिद्ध एवं शरद ऋतु में फूलने वाले पौधों में से है. यह चीन का देशज है, जहाँ से यह यूरोप में भेजा गया. सन-* 1780 में फ्रांस के एक महाशय सेल्स ने इंग्लैंड के विश्वविख्यात उपवन क्यू (Kew) में इसे सबसे पहले उत्पन्न किया. इसके उपरांत, अपने सुंदर तथा मोहक रूप के कारण और इसके फूलों में कीटनाशक पदार्थ, अर्थात पाईथ्रोम होने के कारण गुलदाउदी का प्रसार बहुत ही विस्तृत हो गया. इस समय इसकी लगभग 150 जातियाँ हैं जो यूरोप, अमरीका, अफ्रीका तथा एशिया महाद्वीपों में मुख्य रूप से पाई जाती हैं. इनमें से उपवनों में उगाई जान`वाली गुलदाउदी को क्राइसैंथिमस इंडिकम कहते हैं. गुलदाउदी का पौधा शाक की श्रेणी में आता है. इसकी जड़ें मुख्यतया प्रधान मूल, शाखादार और रेशेदार होती हैं.

तना कोमल, सीधा तथा कभी कभी रोएँदार होता है. पत्तियाँ एकांतर सम, पालिवत* होती हैं, परंतु उनकी कोर कटी तथा विभाजित होती हैं. पुष्पों के संग्रहीत होने के कारण पुष्पक्रम एक मुंडक या शीर्ष होता है. पूर्ण पुष्पक्रम पौधे के शिखर पर एक लंबे डंठल के ऊपर स्थित रहता है. इस डंठल के निचले भाग से और भी पुष्पक्रम निकलते हैं, जो सामूहिक रूप से एक समशिख बना देते हैं, जो विषमयुग्मीय और रश्मीय होता है. रश्मिपुष्प मादा और एकक्रमिक होते हैं तथा उनकी जिह्विका फैली हुई, सफेद पीली, नीली अथवा गुलाबी होती है. बिंब पुष्प द्विलिंगी तथा नलिकावत* होते हैं. इनका दलचक्र युक्तदल होता है और ऊपर जाकर चार या पाँच भागों में विभाजित हो जाताहै.

निचक्रीय निपत्र सटे हुए एवं बहुक्रमिक होते हैं. भीतरी निपत्र रसदार सिरेवालेएवं बाहरी छोटे और प्राय- नसदार रंगीन किनारे वाले होते हैं. परागकोष का निचला भाग गोल होता है. गुलदाउदी में एकीन (प्रकार के फल बनते हैं. ये अर्धवृत्ताकार,कोणीय, पंखदार, होते हैं. बाह्यदलरोम छोटे अथवा अनुपस्थित होते हैं. गुलदाउदी मुख्यत वर्धी प्रचारण अथवा बीजांकुर द्वारा उगाई जाती है. चौथाई इंच चलनी द्वारा छाने हुए, लगभग बराबर भागवाले दोमट, सड़ी हुईपत्तियों तथा बालू और थोड़ी सी राखके मिश्रण में गुलदाउदी की अच्छी वृद्धि होती है. गमले में इस मिश्रण को खूब दबा दबाकर भरने के बाद पानी देते हैं तथा लगभग एक घंटे बाद कलमें लगाते हैं. सबसे उत्तम कलमें सीधे जड़ों से निकलने वाले छोटे छोटे तनों से मिलती हैं. इनके न मिलने पर मुख्य तने के किसी अन्य भाग से कलमें ली जाती हैं. सुंदरता के साथ साथ गुलदाउदी की कुछ जातियों के फूल कीटनाशक गुणवाले होते हैं.

सबसे पहले ईरान में क्राइसैंथिमम कॉक्सिनियम (C. coccineum) तथा क्राइसैंथिमम मार्शलाई (C. marschalli) के फूल कीटनाशक रूप में प्रयुक्त हुए. सन- 1840 के आसपास क्राइसैंथिमम सिनेरेरिईफोलियम (C. Cinerariaefolium) डलमैशिया. यूगोस्लाविया में उत्पन्न की गई और धीरे धीरे इसने ईरानी जातियों से ज्यादा ख्याति प्राप्त कर ली. व्यापारिक स्तर पर गुलदाउदी की खेती ईरान, अल्जीरिया, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, स्विट्जरलैंड तथा भारत में की जाती है. उपयोग गुलदाउदी के फूलों का प्रयोग चूर्ण अथवा अर्क के रूप में होता है. साधारणतया इसके विभिन्न उपयोगों को तीन वर्गों में विभाजित कर सकते हैं (1) पाईथ्रोम कीड़ों पर ही प्रभाव डालता है

जैविक खेती

सी एम शर्मा

जैविक खाद (एक एकड़ खेत के लिए) कैसे बनाये

एक पलास्टिक के ड्रम में नीचे लिखी पाँच चीजों को आपस में मिला लें.

10 किलो गोबर (देशी गाय का, बैल का, या भैंस का)

10 लीटर मूत्र (देशी गाय का, बैल का, या भैंस का)

1 किलो गुड़ (कैसा भी चलेगा, जो सड़ गया हो आपके उपयोग का ना हो तो वो ज्यादा अच्छा है)

अब इसमे 1 किलो पिसी हुई दाल या चोकर (कैसा भी चलेगा, आपके उपयोग का ना हो तो ज्यादा अच्छा) और अंत मे डालनी है 1 किलो मिट्टी किसी भी पुराने पेड़ के नीचे की पीपल, बरगद (पीपल ,बरगद के पेड़ 24 घंटे आक्सीजन छोड़ते है ! जिससे जीवाणुओ की संख्या ज्यादा होगी यही जीवाणु खेत को चाहिए !!

तो कुल 5 चीजे हो गई

1) 10 किलो गोबर
2) 10 लीटर मूत्र
3) 1 किलो गुड
4) 1 किलो दाल
5) 1 किलो मिट्टी

इन पांचों को आपस मे मिला दो हाथ से या किसी डंडे से ! मिलाने मे तकलीफ आए तो थोड़ा पानी डाल दो पानी थोड़ा सा ही डालना है अब इसे 15 दिन तक छाँव में रखो,पेड़ की छाँव के नीचे ज्यादा बढ़िया। धूप मे बिलकुल मत रखना !और रोज सुबह शाम एक बार इसे मिला दो. 15 दिन बाद ये खाद बन कर तैयार हो जाएगी इस खाद करोड़ो करोड़ो सूक्ष्म जीवाणु होगी वो हमने जो मिट्टी डाली ना उसी के जीवाणु अपनी संख्या बढ़ाएँगे ।

दिन मिट्टी डाल कर रखा था अगर उस दिन 1 लाख जीवाणु है तो 15 दिन बाद इनकी संख्या 100 करोड़ को पार कर जाएगी

अब इस खाद (जीवाणु घोल) को खेत मे डालना है और डालने से पहले इसमे पानी मिलना है पानी कितना मिलना है जितना गोबर था उसका 10 गुना पानी। 10 किलो गोबर था तो 100 लीटर पानी तो पानी मिलाने के बाद ये पूरा घोल तैयार हो जाता है और इसे बस अब एक एकड़ के खेत मे छिड़कना है ! जैसे मिट्टी दबाने के लिए हम पानी छिड़कते है वैसे छिड़कना है

आप इसे छिड़क देंगे तो ये जीवाणु मिट्टी मे मिल जाएंगे और मिट्टी मे सारा खेल खेलने का काम ये जीवाणु ही करते हैं ! आपको पता है ये जीवाणु क्या कम करते है ?

पोधे की जड़ को नाइट्रोजन चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

पोधे की जड़ को कैल्शियम चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

पोधे की जड़ को आइरन चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

अर्थात पोधे को जितने सूक्ष्म तत्व चाहिए और पोधे के फल से होते हुए हमारे शरीर को भी चाहिए तो ये जीवाणु ही उपलब्ध करवाते हैं ।

तो जिस पोधे को जीवाणु ज्यादा मिलेंगे तो उसकी बढ़त ज्यादा होगी बढ़त ज्यादा होगी तो फल ज्यादा होगा फल ज्यादा होगा तो उत्पादन ज्यादा होगा !

अब समय लिख लो इसको कितनी बार कैसे कैसे डालना है।

सब्से अच्छा तरीका है की बीज डालने से पहले जब आप खेत की जुताई करे ठीक उसके अगले दिन डाल दीजिये । फिर बीज बो दिये जिये और बीज बोने के 21 दिन बाद फिर डाल दो ! आप मोटी सी बात याद रखो हर 21 दिन बाद डाल दो । मान लो एक फसल 4 महीने की है तो 5 बार डालना पड़ेगा ।

इसको छिड़कने की कुल 4 विधि है !!

1) पहली ये की सीधे डब्बा लो भरो और छिड़क दो ।

भरो और छिड़क दो अब आप कहोगे खेत बड़ा है तो क्या करे !

तो दूसरा तारीक है खेत मे पानी लागाते है तो पानी मे डाल दो नाली मे से पानी जा रहा है एक टंकी मे इसको भरकर टूटी खोल दो टपक टपक पानी के साथ चला जाएगा

तीसरा तरीका ये है अगर आपके पास जानवरो की संख्या ज्यादा है तो गोबर ज्यादा होगा थोड़ा गोबर तो खाद बनाने मे काम आ गया बाकी गोबर का क्या करोगे तो बाकी गोबर अगर सूखा हुआ है तो उसे भी 15 दिन बाद 200 लीटर पानी के साथ इसी ड्रम मे डाल दो फिर उस गोबर के लड्डू बना लो खेत मे छिड़क दो ।

एक और तरीका है खेत की मिट्टी खोद लो मिट्टी मे ये पूरा घोल मिला दो मिट्टी गीली हो गई इसके लड्डू बना खेत मे छिड़क दो !!

अब अगर जानवर घर के है तो गोबर ,गौ मूत्र फोकट का ।

गुड़ वो लेना है जो बिलकुल सड़ा हुआ हो जिसे जानवर भी ना खाये पानी तो पहले से फोकट का है कुछ दाल आदि लेने का खर्चा करना पड़ेगा वो भी अगर किसान दाल की खेती करता है तो वो भी मिल जाएगी तो कुल मिलाकर खाद बनाने का खर्चा शून्य हो जाएगा !! मेहनत लगेगी लेकिन पूंजी मे पैसा कम से कम खर्च होगा और ये खाद जो तैयार होगी उसमे जबर्दस्त कवालेटी quality है क्यों इसमे कैल्शियम भरपूर ,आइरन भरपूर ,माइग्निशियम भरपूर , और ऐसे 18 पोषक तत्व है जो मिट्टी को चाहिए वही लेकिन यूरिया मे नहीं है DAP मे ये नहीं है यूरिया मे कैल्शियम नहीं है DAP मे कैल्शियम नहीं है

मट्टी परीक्षण की आवश्यकता क्यों ?

-By Bhupender Choudhar

हम एक कृषि प्रधान देश है और आज भी लगभग 70 प्रतिशत आबादी जीवन निर्वहन के लिए खेती पर निर्भर है। फसल उत्पादन में मिट्टी अत्यन्त आवश्यक घटक है, जो पौधों को पोषण प्रदान करती है। इसलिये आवश्यक है, कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा हो और पौधों को आवश्यक तत्व उपलब्ध हो व जीवाणु वृद्धि के लिए भी उपयुक्त हो, वैज्ञानिक परीक्षण से यह ज्ञात हुआ है, कि प्रत्येक पौधे की समुचित वृद्धि के लिए 16 पोषण तत्व आवश्यक होते है। इन 16 तत्वों में एक की भी कमी से पौधे की वृद्धि पर दुष्प्रभाव देखा गया है।

आमतौर पर पौधे उनकी आवश्यकता अनुसार पोषक तत्व मिट्टी और वायुमंडल से जड़ों में पाये जाने वाले मूलरोमों तथा पत्तियों में पाये जाने वाले रन्ध्रावकाश के माध्यम से प्राप्त कर लेते है। यह पोषक तत्व आमतौर पर भूमि में कम या अधिक मात्रा से उपलब्ध रहते है। विभिन्न फसलों की आवश्यकतानुसार पोषक तत्व की उपलब्धता न होने से उत्पादन पर विपरीत प्रभाव देखा गया है।

मिट्टी में किसी विशेष पोषक तत्व की अधिकता या कमी हो सकती है, जो फसल की वृद्धि व पैदावार पर प्रभाव डालती है। इसलिये मिट्टी का परीक्षण सबसे महत्वपूर्ण और पहला कदम है। मिट्टी परीक्षण के अभाव में कभी-कभी किसान भाई उसी पोषक तत्वधारी उर्वरक का लगातार उपयोग करते हैं। जो पहले से ही मिट्टी में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होता है, पोषक तत्व की अधिकता से भी फसल की उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इसलिए वर्तमान परिस्थितियों में फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक है, कि खेत की मिट्टी का परीक्षण कराया जाये और परिणामों के आधार पर उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का संतुलित रूप में प्रयोग सुनिश्चित किया जाये। परिणामस्वरूप खेती की लागत कम करने के साथ-साथ उपज में भी बढ़ोत्तरी प्राप्त की जा सकती है।

जैविक कार्बन- नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों की संस्तुति के लिए जैविक कार्बन को आधार माना जाता है। क्योकि मिट्टी में जैविक कार्बन और सुलभ नाइट्रोजन एक निश्चित मात्रा में पाये जाते है। जैविक कार्बन की मात्रा ज्ञात होने पर भूमि में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा ज्ञात की जा सकती है।

फास्फोरस और पोटाश- मिट्टी परीक्षण में उपलब्ध फास्फोरस और पोटाश का विश्लेषण करने के बाद ही इन तत्वों की उचित मात्रा की संस्तुति की जाती है, ताकि इन तत्वों की उचित मात्रा उपलब्ध हो जाये, इन तत्वों की सिफारिश वर्तमान में किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से की जाती है।

मिट्टी का नमूना लेते समय आवश्यक सावधानियां

1. मृदा का रंग, ढलान, फसल उत्पादन इत्यादि गुणों के आधार पर अलग-अलग लगने वाले खेतों या उनके भागों से अलग-अलग नमूने तैयार करने चाहिए।

2. किसी भी दशा में नमूना का सम्पर्क राख, दवाई, खाद, उर्वरक बैटरी इत्यादि से नहीं होना चाहिए।

3. मृदा यदि गीली हो तो पेन के बजाय पेन्सिल से ही लेबल लिखकर थैली में रखें।

मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता क्यों?

1. परीक्षण से यह ज्ञात होता है, कि मिट्टी में किन तत्वों की कमी या अधिकता है, ताकि उसमें सुधार किया जा सके।

2. पौधों की अच्छी बढ़वार या वृद्धि के लिए 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिनकी कमी के कारण पौधे अपना जीवन काल पूरा नहीं कर सकते।

3. किसी क्षेत्र विशेष में मिट्टी में उत्पन्न दोष जैसे अम्लीयता, क्षारीयता, लवणता इत्यादि का पता लगाना एवं उनका सही उपचार करना।

4. मृदा की उपजाऊ शक्ति का पता लगाना और उसी के अनुसार विभिन्न फसलों के लिए खाद एवं उर्वरकों की संतुलित मात्रा के प्रयोग की सिफारिश करना।

5. किसी क्षेत्र में उर्वरकों के प्रयोग से होने वाली अतिरिक्त उपज का आंकलन करना।

6. मृदा परीक्षण के आधार पर मिट्टी उर्वरकता मानचित्र बनाना एवं उनमें होने वाले परिवर्तनों का समय-समय पर अध्ययन करना।

मिट्टी परीक्षण के मूना लेने का समय

1. मिट्टी का परीक्षण फसल बुवाई एवं रोपाई के एक माह पूर्व करवाना चाहिए।

2. सघन खेती वाले खेतों का परीक्षण प्रति वर्ष करना चाहिए।

3. जिस खेत में वर्ष में एक फसल लेते है, वहा दो या तीन वर्ष में एक बार मिट्टी का परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।

मिट्टी परीक्षण के नमूने लेने की विधि

1. खेत को समान गुणों वाले भागों में बांटकर अलग-अलग नमूने एकत्र करें।

2. अपने 0.5 हेक्टेयर खेत से एक

नमूना लेना चाहिये।

3. जिस खेत का नमूना लेना हो उसके 15 से 20 स्थानों पर निशान लगा दें।

4. जिस स्थान पर निशान लगायें हैं, उस स्थान के ऊपरी सतह से घास-फूस, कंकड़, पत्थर हटा देना चाहिए।

5. मृदा नमूना फाबड़े या खुरपी की सहायता से व्ही 1 आकार का 15 सेंटीमीटर गहराई तक गढ्ढा खोदकर इनकी मिट्टी अलग कर दें, फिर इसको दीवार के साथ पूरी गहराई तक मिट्टी का समान मोटाई (दो सेंटीमीटर) में मिट्टी की परत काटकर निकाल लें।

6. इस प्रकार खेत के बाकी 15 से 20 स्थानों से भी मिट्टी का नमूना लें, इन सभी नमूनों का किसी साफ कपडे या पालिथीन पर अच्छी तरह मिला लें।

नमूना लिये हुए मिट्टी को एक वर्गाकार या गोलाई में फैलाकर चार भागों में बांट ले और आमने-सामने के दो भागों को रखकर बाकी फेंक दें।

7. इस प्रक्रिया को तब तक दोहराना चाहिये, जब तक मिट्टी का कुल नमूना भार लगभग 500 ग्राम न रह जाए।

8. यदि मृदा सख्त हो तो इसके लिए बर्मे का प्रयोग भी किया जा सकता है और नरम मृदा के लिए ट्यूब ऑगर्स का प्रयोग किया जा सकता है।